केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो० 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो० 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 41 शनिवार 30 अगस्त 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

पांच दिवसीय एकीकृत प्रशिक्षण सम्पन्न

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल के निर्देशन में चल रहे 210 शिक्षकों का पांच दिवसीय एकीकृत प्रशिक्षण शुक्रवार को सम्पन्न हुआ। डायट प्राचार्य ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित करके प्रशिक्षण का समापन किया। समापन अवसर पर संबोधित करते हुए डायट प्राचार्य ने कहा कि परिषदीय स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों का सर्वांगीण विकास ही विभाग का मुख्य उद्देश्य है। जिसमें आप सभी शिक्षकों की भूमिका अहम है। कहा कि प्रशिक्षण सही मायने में तभी सफल होगा जब इसका उद्देश पूरा हो अर्थात प्रशिक्षण में सीखी गई विधाओं का उपयोग कक्षा–कक्ष में हो। प्रशिक्षण के प्रभारी प्रवक्ता डॉ रविनाथ त्रिपाठी ने बताया कि एकीकृत प्रशिक्षण के अन्तर्गत पूरे जिले से कुल 1500 शिक्षकों का प्रशिक्षण होना है। 10 विकासखंडों के 1050 शिक्षकों का प्रशिक्षण शुक्रवार को सम्पन्न हो चुका है। प्रशिक्षण के अन्तिम दिन प्रवक्ता वंदना चौधरी ने नैतिक शिक्षा, प्रवक्ता मो. इमरान ने शिक्षण योजना व पाठ योजना निर्माण विधि, प्रवक्ता कल्याण पाण्डेय ने सुरक्षा–संरक्षा, प्रवक्ता डॉ रविनाथ त्रिपाठी ने अनुभवात्मक शिक्षण व पुस्तकालय प्रयोग के बारे में विस्तार से बताया।

इस अवसर पर अलीउद्दीन खान, डॉ गोविन्द प्रसाद, कुलदीप चौधरी, वर्षा पटेल, ऋचा शुक्ला, सरिता चौधरी आदि उपस्थित रहे।

कलारीपयट्टू प्रतियोगिता 1 सितम्बर को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद स्तरीय माध्यमिक विद्यालयीय कलारीपयट्टू प्रतियोगिता जनता इंटर कॉलेज पोखरा बाजार के प्रांगण में आगामी 1 सितंबर सोमवार को आयोजित की जाएगी। जनता इंटर कॉलेज पोखरा बाजार के प्रधानाचार्य कमलेश कुमार द्विवेदी ने पत्र जारी करके बताया कि जिला विद्यालय निरीक्षक के पत्र दिनांक 14 जुलाई 2025 के अनुपालन में यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। शारीरिक शिक्षक प्रभाकर रंजन ओझा ने बताया कि प्रतियोगिता में 17 से 19 आयु वर्ग के खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में 17 से 19 आयु वर्ग के खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। उन्होंने बताया कि जिले के सभी विद्यालयों की टीमें पात्रता प्रमाण पत्र की सात प्रतियों एवं आधार कार्ड तथा अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा प्रमाणित सूची के साथ प्रातः 9रू00 बजे प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें। प्रतिभागी अपनी टीम के साथ कोच एवं टीम मैनेजर को भी साथ में अवश्य लायें।

सड़क हादसे में युवक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिले के सोनहा थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। बस्ती–डुमरियागंज मार्ग पर दुबौली चौराहे पर गुरूवार रात करीब 1 बजे ट्रक और बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में करौता निवासी 19 वर्षीय विजय उर्फ शंभू की मौत हो गई। विजय अपने घर से बाइक लेकर दुबौली चौराहे की तरफ जा रहा था। जैसे ही वह सड़क पर पहुंचा, बस्ती की तरफ से आ रहे ट्रक की चपेट में आ गया।

घटना की सूचना मिलते ही असनहरा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल विजय को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भानपुर भिजवाया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

चौकी प्रभारी असनहरा शशांक कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बस्ती भेज दिया है। दुर्घटना में शामिल वाहन को भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। विजय अपने दो भाइयों में सबसे छोटा था। उसकी मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

भारत में 6 लाख करोड़ का निवेश करेगा जापान

नई दिल्ली/ टोक्यो (आभा)। प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को जापान दौरे पर पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने टोक्यो में आयोजित 15वें भारत–जापान समिट में हिस्सा लिया। समिट में मोदी और जापानी पीएम इशिबा की मौजूदगी में कई एमओयू भी एक्सचेंज किए गए। इशिबा ने भारत में अगले 10 सालों में 10 ट्रिलियन येन (करीब 6 लाख करोड़ रुपए) निवेश करने की बात कही है। उन्होंने भारत और जापान के स्मॉल–मीडियम उद्योग और स्टार्टअप को जोड़ने पर जोर दिया।

वहीं, पीएम मोदी ने दोनों देशों की साझेदारी को दुनिया की शांति के लिए अहम बताया। उन्होंने कहा– दोस्तों, हमने मिलकर अगले 10 सालों के लिए एक रोडमैप तैयार किया है।

साथ ही मोदी ने अगले

भारत–जापान समिट के लिए इशिबा को भारत आने का न्योता दिया। इसके अलावा मोदी ने रूस–यूक्रेन जंग पर भारत के रुख को साफ करते हुए इसे मानवता के आधार पर देखने की बात कही।

बतौर प्रधानमंत्री यह मोदी की 8वीं जापान यात्रा है। स्थानीय कलाकारों ने टोक्यो के होटल में उनका गायत्री मंत्र से स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने प्रवासी भारतीयों से भी मुलाकात की। पीएम मोदी ने यहां 15वें भारत–जापान वार्षिक समिट में हिस्सा लिया। इस सम्मेलन में दोनों देशों के बीच रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करने पर चर्चा हुई।

उन्होंने रवाना होने से पहले सोशल मीडिया पर लिखा कि इस दौरे का मकसद भारत और जापान के बीच खास रणनीतिक और ग्लोबल साझेदारी को मजबूत करना है। जापान के बाद मोदी 31 अगस्त को चीन पहुंचेंगे।

नवजात की मौतः डाक्टर के विरूद्ध पीड़ित ने किया कड़ी कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रूधौली थाना क्षेत्र के रामबारी निवासी शैलेन्द्र कुमार उपाध्याय ने जिलाधिकारी को सम्बोधित पत्र प्रशासनिक अधिकारी को सौंपकर नवजात के मौत मामले में दोषी चिकित्सक डा. आफताब खान और बेबी केयर सेन्टर गडगोडिया के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया है।

पत्र में शैलेन्द्र कुमार उपाध्याय ने कहा है कि उसके छोटे भाई की पत्नी सीमा उपाध्याय का टी.बी. हास्पिटल के सामने स्थित रेडियन्ट हास्पिटल में प्रसव हुआ। बच्चा कुछ बीमार था और उसे डाक्टर ने बेबी केयर सेन्टर गडगोडिया में रेफर कर दिया। डा. आफताब खान ने कहा कि बच्चा दो दिन में ठीक हो जायेगा

किन्तु उसकी हालत बिगड़ती गई। अचानक डा. आफताब खान ने कहा कि बच्चे को गोरखपुर ले जाइये। रास्ते में बच्चे की मौत हो गई। उससे इलाज के नाम पर मोटी रकम वसूला गया। शैलेन्द्र कुमार उपाध्याय ने मांग किया है कि दोषी डाक्टर आफताब खान के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाय।

मानसिक रूप से अस्वस्थ भाई के लिये डीआईजी, एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सोनहा थाना क्षेत्र के अमरौली सुमाली निवासी आशी मोहम्मद पुत्र नन्हे ने शुक्रवार को डीआईजी और पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है। पत्र में आशी मोहम्मद ने कहा है कि उनका भाई जल्लू उर्फ जलालुद्दीन गांव में बकरी चराने गया था। वहां पहले से मौजूद जयराम और विक्रम ने अकारण उनके भाई को मारा पीटा। जानकारी होने पर जब उसने जयराम और विक्रम से पूंछा कि मेरे भाई को क्यों मारा तो उन लोगों ने गालियां दी। उसके भाई को सोनहा पुलिस ले गई और दूसरे दिन उसके पैरों में गोली मारकर इन काउन्टर कर दिया गया। पुलिस ने उनके भाई के ऊपर अनेक गंभीर मामलों में मुकदमा भी दर्ज कर दिया है जबकि उनका भाई मानसिक रूप से अस्वस्थ है। आशी मोहम्मद ने समूचे मामले की जांच और न्याय दिलाने की गुहार लगाया है।

समाजसेवी पवन कुमार मोदनवाल उर्फ कल्लू ने प्रशासन से मांग किया है कि पूरे मामले की जांच कराकर परिवार को न्याय दिलाया जाय अन्यथा वे धरना प्रदर्शन को बाध्य होंगे।

रोटरी रिजन चेयरमैन बने डा. वी.के. वर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रोटरी क्लब बस्ती ग्रेटर के वरिष्ठ रोटेरियन डा. वी के वर्मा को रोटरी मण्डल 3120 के गोरखपुर रिजन का चेयरमैन (स्टोरशिप)रोटरी परिचालन का दयित्व सौपा गया है।

यह जानकारी देते हुये क्लब के चार्टर अध्यक्ष किशन कुमार गोयल ने बताया कि रोटरी मण्डलाध्यक्ष डा आशुतोष अग्रवाल वाराणसी ने यह निर्णय लिया है।

डा. वी.के. वर्मा की नियुक्ति पर

क्लब अध्यक्ष आर. डी. चौधरी, ए. के. शुक्ला, प्रतिभा गोयल, धनन्जय शुक्ला, राजेश्वरी देवी, डा आलोक रंजन, डा. श्याम एन चौधरी आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

महर्षि कश्यप ऋषि जयन्ती पर निकली भव्य शोभा यात्रा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । महर्षि कश्यप ऋषि के जयन्ती अवसर पर अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन अध्यक्ष वृजकिशोर कसौधन के संयोजन में भव्य शोभा यात्रा मारवाडी मंदिर पाण्डेय बाजार से गांधीनगर हनुमान गढी तक निकाली गई। शोभा यात्रा में अनेक झांकियां सजायी गई थी तो आकर्षण का केन्द्र रही। शोभा यात्रा का सुर्तीहट्टा, करूआ बाबा चौराहा, मंगलबाजार, रोडवेज, गांधीनगर आदि स्थानों पर भव्य स्वागत किया गया। शोभा यात्रा के गांधीनगर पहुंचने पर आतिशबाजी किया गया।

कसौधन महासभा के प्रदेश अध्यक्ष एवं भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पवन कसौधन ने कहा कि पौराणिक कथाओं के अनुसार, मान्यता है कि कश्यप ऋषि से ही संपूर्ण सृष्टि का निर्माण हुआ है। कश्यप एक प्रचलित गोत्र का भी नाम है। सभी जीवधारियों की उत्पत्ति कश्यप से हुई। कश्यप ऋषि आदर के साथ पूंजे जाते हैं।

शोभा यात्रा में मुख्य रूप

–कश्यप ऋषि से ही संपूर्ण सृष्टि का निर्माण हुआ–पवन कसौधन

से गिरधारी साहू, सुभाष अग्रहरि, संजय अग्रहरि, कुंदन वर्मा, विश्वनाथ वर्मा, पंकज सोनी, मनोज सर्राफ, राकेश जायसवाल, संजय जायसवाल, मंगल जायसवाल, मदन मद्धेशिया, शिवाजी मोदनवाल, सुशील मोदनवाल, राजन गुप्ता, भागवत बरनवाल, अनिल बरनवाल, राम प्रकाश बरनवाल, दिलीप गुप्ता, दलजीत गुप्ता, अर्जुन साहू, धर्मराज गुप्ता, धर्मेंद्र चौरसिया, अमरनाथ चौरसिया, संजय चौरसिया, ऋषभ गुप्ता, राजेश गुप्ता, दिलीप कसौधन, आदर्श कसौधन, विनय कसौधन,राजेंद्र कसौधन,राजाराम कसौधन,दुर्गा प्रसाद कसौधन, रामकृष्ण कसौधन,आनंद कसौधन,ध्रुव कसौधन, घनश्याम कसौधन, रवि कसौधन, हिमांशु कसौधान, मनोज कसौधन,सरोज, बीना, श्रद्धा, बिंदु, सुमन, राधा, मंजू, गीता आदि वैश्य समाज के लोग उपस्थित रहे।

नगर वार्डो में अम्बेडकर पार्क का शिलान्यास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शुक्रवार को नगर पंचायत नगर के जे० पी० नगर और भगत सिंह नगर वार्डों में अंबेडकर पार्क का शिलान्यास हुआ। मुख्य अतिथि अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने दोनों वार्डों में विधि विधान से पूजन अर्चन कर नींव की पहली ईंट रखा। आचार्य काशी प्रसाद बौद्ध तथा आचार्य संग्राम सिंह ने बौद्ध धर्म के अनुसार पूजा पाठ कर अंबेडकर पार्क कार्य का शुभारंभ कराया। श्रीमती राना ने कहा कि संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर जी की स्मृतियों को जीवन्त रखने के लिए नगर पंचायत द्वारा ऐसे पार्कों का निर्माण कराया जा रहा है। नगर पंचायत महापुरुषों के नाम पर विभिन्न योजनाएं और कार्यक्रम संचालित कर रही है। इसके पूर्व श्रीमती राना ने बकैनिया दलित बस्ती में पहुंच कर भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर और तथागत बुद्ध की प्रतिमा पर माल्यापर्ण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। उत्तर प्रदेश राज्य पंचायत परिषद के प्रदेश अध्यक्ष राना दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि वंचितों के मसीहा डॉ भीमराव अम्बेडकर के संदेश विकसित भारत संकल्प यात्रा का सार है। उन्होंने नगर को देश राष्ट्रीय पटल पर स्थापित करने में सभी से सहयोग की अपील किया। इस अवसर पर सभासद राम सजन यादव, संदीप कुमार, जयराम गौतम, हरिराम, सियाराम, उमेश चंद्र, रणविजय गौतम, विशाल गौतम, अयोध्या प्रसाद, अजय भारती, विश्राम, राम नयन, विनय कुमार इंद्रावती, श्याम कली , ज्ञानमती, गायत्री, रानी देवी, कृष्णावती, आरती देवी, दुर्गावती, अंजू देवी , धनवती सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

आठवीं पुण्य तिथि पर याद किये गये पूर्व आईएएस लक्ष्मीकान्त शुक्लः योगदान पर चर्चा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को मेधा संस्थापक पूर्व आईएएस स्वर्गीय लक्ष्मीकान्त शुक्ल को उनके आठवीं पुण्य तिथि पर भद्रेश्वरनाथ, सल्टौआ, सोनहा के साथ ही अनेक स्थानों पर मेधा पार्टी के केन्द्रीय प्रवक्ता दीन दयाल त्रिपाठी के संयोजन में याद किया गया। अनेक लोगों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण करते हुये कहा कि लक्ष्मीकान्त ने फीस भरपाई एवं छात्र वृत्ति दिलाने के लिये सर्वोच्च न्यायालय तक संघर्ष करके विजय दिलाया। आज इसका लाभ प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों को मिल रहा है।

मेधा पार्टी के केन्द्रीय प्रवक्ता दीन दयाल त्रिपाठी ने कहा कि

बस्ती के पूर्व मुख्य विकास अधिकारी रहे लक्ष्मीकान्त शुक्ल की प्रेरणा से वे मेधा आन्दोलन से जुड़े । स्व. शुक्ल के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यही होगा कि छात्रों को शुल्क प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति का लाभ मिले। कहा कि मेधा द्वारा प्रदेश के लाखों वंचित छात्रों के फीस की भरपाई और छात्रवृत्ति दिलाये जाने की मांग को लेकर चरणबद्ध आन्दोलन चलाया जा रहा है।

दीन दयाल त्रिपाठी ने कहा कि दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति सुविधा का शत प्रतिशत पालन, कटौती बंद किये जाने, आय सीमा ढाई लाख किये जाने, अंक प्रतिशत सीमा समाप्त करने आदि मांगों को लेकर मेधा का जन जागरण अभियान जारी है। मेधा संस्थापक पूर्व आईएएस स्वर्गीय लक्ष्मीकान्त शुक्ल को नमन् करने वालों में मुख्य रूप से उमेश पाण्डेय मुन्ना, रूद्र आदर्श पाण्डेय, प्रमोद कुमार यादव, ओंकार गिरी, अंशू चारसिया, राहुल तिवारी, अजीत पाण्डेय, गिरीश चन्द्र गिरी, आकाश चौधरी, अभिषेक जायसवाल, रमाकान्त यादव, शिखर शुक्ल, विपुल पाण्डेय, विजय चौधरी, अतुल चौधरी, ध्रुव पाण्डेय, छट्ठू गिरी, चन्द्रशेखर गिरी, आशुतोष गिरी , चन्द्रशेखर गिरी, उदयभान गिरी के साथ ही मेधा के अनेक पदाधिकारी, सदस्य और विभिन्न संगठनों के लोग शामिल रहे।

महिला अस्पताल में सीएमएस, बाल रोग विशेषज्ञ के बीच मारपीट

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला महिला चिकित्सालय में शुक्रवार को सीएमएस डॉ. अनिल कुमार और बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. तैयब अंसारी के बीच विवाद हो गया। डॉ. तैयब ने सीएमएस पर मारपीट और अभद्र व्यवहार का आरोप लगाते हुए कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। घटना शुक्रवार सुबह की है। जब डॉ. तैयब बाल रोग विभाग की ओपीडी में मरीजों का इलाज कर रहे थे। फार्मासिस्ट शैलेन्द्र राय ने उन्हें सीएमएस कक्ष में बुलाया। वहां स्टाफ

नर्स रेनु के साथ राउंड ड्यूटी को लेकर चल रहे पुराने विवाद पर चर्चा हुई।

डॉ. तैयब का आरोप है कि सीएमएस ने उनके चरित्र पर सवाल उठाए। महिला नर्स को लेकर अपमानजनक टिप्पणियां कीं। जब डॉ. तैयब ने हाथ जोड़कर अपने परिवार की प्रतिष्ठा को बदनाम न करने की विनती की, तो सीएमएस ने उन्हें थप्पड़ मार दिया। मेज से सामान उठाकर मारने की भी कोशिश की।

दूसरी तरफ, सीएमएस डॉ. अनिल कुमार ने सभी आरोपों को झूठा बताया है। उनका कहना है कि डॉ. तैयब ने ही उन पर हमला किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सीसीटीवी फुटेज की जांच की जाएगी।

योगी राज में कानून व्यवस्था बदहाल-विश्वनाथ चौधरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त है और बस्ती में थाना, चौकी, कोतवाली में गरीबों की सुनवाई नहीं हो रही है। यह विचार कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने व्यक्त किया। वे शुक्रवार को कांग्रेस कार्यालय पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

पत्रकारों के सवालों का उत्तर देते हुये कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दावा करते हैं कि प्रदेश में कानून का राज है किन्तु यह सच्चाई है कि गरीबों की थानों पर सुनवाई नहीं हो रही है। अनेक मामलों में शिकायत मिलती है कि पुलिस दोनों पक्षां से उगाही करती है। गरीब न्याय के लिये कंगाल होता जा रहा है और उसके लिये दरवाजे एक–एक कर बंद हो रहे हैं। कांग्रेस प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर संघर्ष तेज करेगी। लालगंज थाना क्षेत्र में मासूम बेटी के साथ दुष्कर्म, हत्या सहित अनेक मामलों का उल्लेख करते हुये कहा कि पुलिस

–पुलिसिया उत्पीड़न के खिलाफ आन्दोलन करेगी कांग्रेस

की भूमिका पर पीड़ित स्वयं सवाल उठा रहे हैं।

पूर्व विधायक अम्बिका सिंह ने कहा कि जनपद में थाने बिक रहे हैं और अपराधियों के हौसले बुलन्द है। पुलिस पहले इनकाउन्टर करती थी अब हाफ इन्काउन्टर कर न्याय की औपचारिता पूरी कर रही है। कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष डा. वाहिद अली सिद्दीकी ने कहा कि सच तो ये है कि योगी सरकार में थानों पर वसूली की दर बहुत बढ चुकी है। न्याय तो दूर पुलिस चोरी, डकैती, दुराचार के मामलों में मुकदमा तक दर्ज नहीं करती और मजबूर होकर लोगों को अदालतों की शरण लेना पड़ रहा है। अनावश्यक रूप से भय पैदा कर उगाही की संस्कृति मजबूत हो रही है। लोग परेशान हैं। कांग्रेस इन सवालों पर चुप नहीं रहेगी।

6 मुद्दों को लेकर भारतीय विद्यार्थी मोर्चा राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शुक्रवार को भारतीय विद्यार्थी मोर्चा जिला प्रभारी आर.के. आरतियन के नेतृत्व में मोर्चा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी को 4 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि एससी.एसटी. छात्रावास में 30 प्रतिशत आवंटन ओ.बी.सी. और सामान्य लोगों को किया गया है उसे निरस्त करने, ओ.बी.सी., अल्पसंख्यक और सामान्य लोगों के लिये अलग से सभी जनपदों में अलग से छात्रावास बनवाये जाने, जो छात्रावास जर्जर अवस्था में हैं उनका पुर्ननिर्माण कराय जाने, छात्रावास में मेस, लाईब्रेरी की सुविधा देने आदि की मांग शामिल है।

इसी कड़ी में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला प्रभारी राम सुमेर यादव के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया है कि किसान हितों को देखते हुये राजस्व परिषद उ०प्र० लखनऊ द्वारा बढ़ायी गयी खसरा, खतौनी मूल खतौनी में सम्मिलित गाटों एक साथ किये जाने,

पूर्व की भांति एक खतौनी का मूल्य मात्र 15 रूपया ही लिया जाने, इसी के साथ राजस्व लेखपाल के स्तर से किसानों को दी जा रही खसरा प्रतिलिपि में न्यूनतम दर निर्धारित किये जाने की मांग शामिल है।

ज्ञापन में कहा गया है कि पुलिस उप महानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र के स्तर से लगभग छः महीने पूर्व उमाशंकर तिवारी प्रभारी निरीक्षक थाना वाल्टरगंज का स्थानान्तरण गैर जनपद में किया जा चुका है उन्हें शीघ्र वाल्टरगंज से अवमुक्त कर उनके द्वारा क्षेत्र में सरकारी, गैर सरकारी निजी जमीनों के अवैध कब्जा कराये जाने की भूमिका की एस०आई०टी० गठित कर उनकी आय–व्यय की जांच कराये जाने, अनियमित कार्यों की शिकायतकर्ता की उनके स्तर से दर्ज शिकायतें वापस किया जाने आदि की मांग शामिल है।

संयुक्त ज्ञापन सौंपने वालों में हृदय गौतम, ठाकुर प्रेम नन्दबंशी, सुनील यादव, चन्द्रिका प्रसाद, चन्द्र प्रकाश गौतम, कृपाशंकर चौधरी के साथ ही भारतीय विद्यार्थी मोर्चा और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के अनेक पदाधिकारी शामिल रहे।

आई.सी.ओ.पी. ने किया पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन का फूल मालाओं के साथ स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शुक्रवार को इण्डियन कौंसिल ऑफ प्रेस 'आई.सी.ओ.पी.' पत्रकार संगठन जिलाध्यक्ष दिनेश प्रसाद मिश्र के साथ पदाधिकारियों ने पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन का फूल मालाओं के साथ स्वागत किया।

दिनेश प्रसाद मिश्र ने एसपी के स्वागत के बाद कहा कि पैसों का लालच देकर अनुसूचित जाति की महिलाओं को मोहरा बनाकर संभ्रांत व्यक्तियो के विरूद्ध बलात्कार एससीएसटी एक्ट की धाराओं में फर्जी मुकदमे पंजीकृत कराने, भय डालकर धन वसूली करने वाला गिरोह सक्रिय था। पैकोलिया थाना क्षेत्र के सेमरा निवासी अमरनाथ कुछ अनुसूचित जाति की महिलाओं को पैसो का लालच देकर संभ्रांत व्यक्तियो के विरूद्ध बलात्कार एससीएसटी एक्ट की धाराओं में फर्जी मुकदमा पंजीकृत कराकर, भय दिखाकर धन की वसूली की जाती थी।

पत्रकार दिनेश मिश्र ने बताया कि जनपद के विभिन्न थानों पर न्यायालय के आदेश के क्रम में धारा 156(3) सीआरपीसी के तहत बलात्कार,एससीएसटी एक्ट में फर्जी मुकदमें दर्ज करवाया जाता था। जिसकी जाँच विवेचनात्मक व अन्य आवश्यक कार्यवाही पुलिस द्वारा कर

-अनुसूचित जाति की महिलाओं को मोहरा बनाकर ठगी करने वाले गिरोह का खुलासा सराहनीय कार्य- दिनेश मिश्र

अन्तिम रिपोर्ट न्यायालय में प्रेषित किया जाता था। फर्जी अभियोग पंजीकरण करवाने वाले गिरोह में पुरुष व महिलायें शामिल हैं। अपने आर्थिक लाभ लेने हेतु मुकदमा पंजीकृत कराने की धमकी देकर पीड़ितों से पैसा लेने, सरकारी अनुदान से आर्थिक लाभ प्राप्त करने हेतु फर्जी मुकदमें में अभियोग दर्ज करवाना इस गिरोह के सदस्यों का काम है। पीड़ित व्यक्ति को पहले डरा–धमका कर वे पैसा मांगते हैं, अगर पीड़ित व्यक्ति पैसा नहीं दे पाया तो उसके विरूद्ध न्यायालय से आदेश करा कर थानों पर फर्जी मुकदमा दर्ज करवाते थे। पुलिस अधीक्षक ने इस गिरोह का पर्दाफांश कराकर अनेक लोगों को बचा लिया है। इससे लोगों ने राहत की सांस लिया है। पुलिस जब अच्छा काम करे तो उनका उत्साहवर्धन किया जाना चाहिये। इसी उद्देश्य से आई.सी.ओ.पी. ने पुलिस अधीक्षक को सम्मानित किया। दिनेश प्रसाद मिश्र ने कहा कि वे और उनका परिवार स्वयं इस प्रकार की साजिशों के शिकार हैं और पीड़ितों का दर्द समझते हैं।

एसपी को स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से आई.सी.ओ.पी. उपाध्यक्ष चित्रसेन पाण्डेय, महासचिव सौरभ वी.पी. वर्मा, वृजबासी शुक्ला आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 30 अगस्त 2025 शनिवार

सम्पादकीय

पचास फीसदी टैरिफ

रूसी कच्चा तेल खरीदने पर सबक सिखाने के मकसद से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा थोपे गए पचास फीसदी टैरिफ कल से लागू हो गए। निस्संदेह, यह भारतीय आर्थिकी की सहनशक्ति हेतु अग्निपरीक्षा है। एक स्वतंत्र राष्ट्र के नाते भारत को अपनी संप्रभुता की रक्षा का अधिकार है। हमने दबाव में आए बिना चुनौती का मुकाबला किया है। प्रधानमंत्री ने स्वदेशी अपनाने और आत्मनिर्भर भारत तथा मेक इन इंडिया का उद्घोष किया है। सरकार ने फ्री ट्रेड के नाम पर भारतीय बाजार में खाद्यान्न व दुग्ध उत्पाद खपाने के अमेरिकी मंसूबों पर पानी फेरा है। भारत ने स्पष्ट किया है कि भारत किसानों, दुग्ध उत्पादकों और लघु उद्योगों के हितों से किसी तरह का समझौता नहीं करेगा। इसके बावजूद आशंका है कि नये टैरिफ लगाने का कपड़ा, चमड़ा व रत्न–आभूषण जैसे श्रम प्रधान क्षेत्रों पर प्रभाव पड़ेगा। जिसके चलते लाखों भारतीयों के रोजगार पर खतरा मंडरा सकता है। निस्संदेह, पचास फीसदी टैरिफ लगाए जाने से भारतीय उत्पादों की लागत में काफी वृद्धि हो जाएगी, जिसके चलते वहां उपभोक्ता अन्य देशों के सस्ते उत्पाद तलाश सकते हैं। दरअसल, इन टैरिफों से भारत की दोहरी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। अमेरिका न केवल भारत का बड़ा व्यापारिक साझेदार है, बल्कि ऐसा साझेदार था, जिसके कारोबार का करीब 45 अरब डॉलर का अधिशेष भारत के पक्ष में था। वहीं दूसरे बड़े व्यापार साझेदार रूस व चीन के साथ हम व्यापार घाटे की स्थिति में हैं। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस से सस्ता तेल आयात कर भारत द्वारा अर्जित मौद्रिक लाभ को अमेरिका निशाने पर ले रहा है। इस चुनौतीपूर्ण स्थिति में भारत सरकार की तात्कालिक प्राथमिकताएं कपड़ा, चमड़ा और रत्न–आभूषण के लिये निर्यात खपाने वाले वैकल्पिक बाजारों की तलाश करना होना चाहिए। इसके अलावा प्रभावित व्यावसायों को वित्तीय सहायता प्रदान करके लाखों नौकरियों को बचाने की जरूरत है। साथ ही अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता को पटरी पर लाने का प्रयास हो।

दरअसल, भारतीय चिंता यह है कि नये टैरिफ से अमेरिका के साथ होने वाला 66 फीसदी निर्यात प्रभावित होने जा रहा है। ऐसी स्थिति में जब अमेरिका को होने वाले बीस फीसदी भारतीय निर्यात पर टैरिफ प्रभाव दिख रहा है,तो इसका असर भारतीय अर्थव्यस्था पर होना लाजिमी है। निर्यात में कमी आने से देश में बेरोजगारी बढ़ सकती है। चिंता की बात यह है कि टैरिफ से अधिक प्रभावित होने क्षेत्र सघन श्रम वाले हैं, जिससे लाखों रोजगारों पर असुरक्षा की तलवार लटक सकती है। स्थिति साफ है कि भारतीय उद्योग इस टैरिफ के बोझ को सहन करने की क्षमता नहीं रखते। वहीं दूसरी ओर, अमेरिका के टैरिफ युद्ध से यूरोप समेत दूसरे देश भी खासे प्रभावित हैं। उत्पादों का अतिरेक पैदा होने से कीमतों में गिरावट आ सकती है और अन्य देश भी टैरिफ लगाने को बाध्य हो सकते हैं। वहीं चीन आदि सस्ते उत्पाद बेचने वाले देशों से हमारी स्पर्धा बढ़ सकती है। वहीं टैरिफ वॉर तथा रूस–यूक्रेन युद्ध व मध्यपूर्व में जारी संघर्ष से वैश्विक आर्थिक अस्थिरता को बढ़ावा मिलेगा। भारत में नये निवेश की संभावनाएं भी कम होंगी। जो भारतीय आर्थिकी की मुश्किल बढ़ाने वाला साबित हो सकता है। हालांकि, प्रधानमंत्री सुधार, प्रदर्शन और बदलाव बढ़ाने का आह्वान कर रहे हैं, लेकिन भारत में बड़े पैमाने पर आर्थिक सुधारों की जरूरत है। हालांकि,मोदी सरकार ने जीएसटी सुधारों की बात की है, लेकिन इससे आगे बढ़कर बड़े व तत्काल सुधारों की जरूरत है। आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी उत्पादों को आर्थिक सुधारों से ही गति मिल सकती है। जो उद्योग टैरिफ से प्रभावित हो रहे हैं उन्हें तुरंत आर्थिक मदद की जरूरत है। खास कर एमएसएमई क्षेत्र को न्यूनतम दरों पर ऋण उपलब्ध कराने की जरूरत है। निर्यातकों को तुरंत मिलने वाली आर्थिक सहायता व करों में छूट मददगार हो सकती है। हम चीन की तरह सस्ते उत्पाद बनाकर टैरिफ युद्ध को निष्प्रभावी बना सकते हैं। आर्थिक सुधारों से हम निर्यात की कीमतों व गुणवत्ता में सुधार कर सकते हैं। निर्यात करने वाले एमएसएमई को सस्ता कर्ज देने के लिये फंड बढ़ाने की भी जरूरत है। भारत अधिक रोजगार देने वाले कृषि व गैर संगठित क्षेत्रों में सुधार लाकर अपनी आर्थिकी मजबूत कर सकता है।

फर्जी डिग्री हासिल करने में माहिर नेता

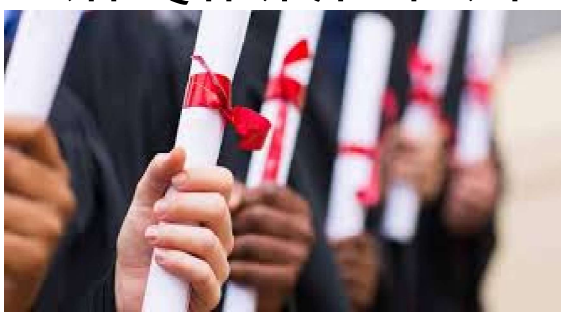

–पुष्परंजन–

जहां जर्मनी जैसे देशों में सार्वजनिक जवाबदेही पेशेवर अपमान और इस्तीफे का कारण बन सकती है, वहीं कमजोर कानून–व्यवस्था वाले देशों में नेता इन आरोपों को आसानी से नजरअंदाज कर सकते हैं। कुछ देशों को 'शोध प्रबंध कारखानों' से भी जूझना पड़ता है, जहां राजनेताओं को गुप्त रूप से लिखे गए अकादमिक शोध–पत्र बिक्री के लिए उपलब्ध होते हैं।

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को 1997 में सेंट पीटर्सबर्ग माइनिंग इंस्टिट्यूट से प्राप्त अपनी डिग्री को लेकर जांच का सामना करना पड़ा था, जब एक अमेरिकी शोधकर्ता ने दावा किया था कि उनके शोध प्रबंध के 16 पृष्ठ पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय के दो प्रोफेसरों द्वारा प्रकाशित एक अध्ययन से शब्दशः चुराए गए थे। पुतिन ने इन आरोपों का कभी जवाब नहीं दिया। भारत की तरह रूस में भी 'घोस्ट राइटर्स' ठेके पर मिल जाते हैं, जो शोध प्रबंध लिखने में माहिर होते हैं। कुछ अनुमानों के अनुसार, रूस में हर साल लगभग पांच लाख नकली डिग्री, डिप्लोमा बेचे जाते हैं।

जर्मन रक्षा मंत्री थियोडोर जू गुटेनबर्ग अपने समय के पॉलिटिकल स्टार थे। वर्ष 2011 में उन्होंने तब इस्तीफा दिया था, जब एक विश्वविद्यालय समिति ने यह सुनिश्चित किया कि उन्होंने 2006 में अपने कानूनी शोध प्रबंध की 'जानबूझकर' हेराफेरी की थी। गुटेनबर्ग, 'गुगलबर्ग' के नाम से कुख्यात हो गए। उन्होंने डॉक्टरेट की उपाधि रद्द किए जाने के बाद इस्तीफा दे दिया था। वर्ष 2013 में जर्मन चांसलर आंगेला मैर्केल को बड़ी शर्मिंदगी झेलनी पड़ी जब उन्हें अपनी शिक्षा मंत्री एलन शावन का इस्तीफा लेना पड़ा। उन्होंने अपने अल्मा मेटर की शोध प्रबंध के कुछ हिस्सों को चुराकर डॉक्टरेट की उपाधि हासिल कर ली थी।

यूरोपीय संसद की उपाध्यक्ष सिलवाना कोच–मेहरिन ने भी 2011 में दस्तावेजों की नकल की थी। डॉक्टरेट की उपाधि छीन लिए जाने के बाद, सिलवाना कोच–मेहरिन ने इस्तीफा दे दिया था। 2021 में बर्लिन की मेयर पद की उम्मीदवार फ्रांजिस्का गिफी से उनकी डॉक्टरेट की उपाधि छीन ली गई। उनके विश्वविद्यालय ने निष्कर्ष निकाला कि उन्होंने जानबूझकर अपने शोध प्रबंध के कुछ हिस्सों की साहित्यिक चोरी की थी।

यूरोपीय आयोग की वर्तमान अध्यक्ष उर्सुला फोन देयर लेयेन पर 2015 में ऐसी ही गड़बड़ी का आरोप लगा। तब इसकी जबरदस्त चर्चा हुई कि 1991 के उन्होंने अपने शोध प्रबंध में साहित्यिक चोरी की थी। हालांकि, उन्हें बड़ी चालाकी से बचाया गया। एक तथाकथित जांच में यह निष्कर्ष निकाला गया कि उर्सुला का इरादा धोखा देने का नहीं था। उर्सुला फोन देयर लेयेन की कुर्सी और डॉक्टरेट की उपाधि दोनों बचा ली गई।

हेग स्थित अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय आमतौर पर युद्ध अपराध, मानवाधिकार हनन की सुनवाई करता है। वहां संभवतः पहली बार किसी पूर्व प्रधानमंत्री के फर्जी डिग्री के विरुद्ध सुनवाई हुई। रोमानिया के पूर्व प्रधानमंत्री विक्टर पोंटा पर 2004 के शोध प्रबंध के आधे से ज्यादा हिस्से नकल या डॉक्यूमेंटेशन चोरी के जरिये जमा करने का आरोप लगाया गया था। हालांकि, शुरू में उन्होंने इससे इनकार किया, लेकिन बाद में उन्होंने नकल किये जाने की बात स्वीकार की और अपनी डिग्री त्याग दी। 2015 में विक्टर पोंटा ने अन्य घोटालों के सिद्ध होने पर प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। 2012 में, हंगरी के राष्ट्रपति पाल श्मिट ने अपने 1992 के शोध प्रबंध के अधिकांश भाग की साहित्यिक चोरी के कारण अपनी डॉक्टरेट की उपाधि छीन लिए जाने के बाद, इस्तीफा दे दिया था। रोमानियाई मंत्री थे, पलोरिन रेमन। 2021 में एक अखबार द्वारा अपनी शैक्षणिक योग्यता के बारे में झूठ बोलने की खबर के बाद इस्तीफा दे दिया।

वर्ष 2018 में, स्पेन की पॉपुलर पार्टी के दो हाई–प्रोफाइल राजनेताओं क्रिस्टीना सिफुएंटेस और पाब्लो कैसाडो पर किंग यूआन कार्लोस विश्वविद्यालय से बिना क्लास अटेंड किये फर्जीवाड़े से मास्टर डिग्री प्राप्त करने का आरोप लगाया गया था। बाद में सिफुएंटेस ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। पूर्व यूक्रेनी राष्ट्रपति विक्टर यानुकोविच की डॉक्टरेट और प्रोफेसरशिप पर तब सवाल उठाए गए, जब 2004 में राष्ट्रपति पद के लिए उनके आवेदन में व्याकरण संबंधी त्रुटियां पाई गईं। यूक्रेन के ही पूर्व प्रधानमंत्री आर्सेनी यात्सेन्युक पर 2017 में अपने शोध प्रबंध में चोरी का माल चेंपने का आरोप लगाया गया था।

संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब सहित खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के देशों में फर्जी प्रमाणपत्र एक बड़ी समस्या है। इराक के पूर्वगृह मंत्री, कासिम अल–अराजी, जो अल बद्र संगठन से जुड़े होने के लिए जाने जाते हैं, के पास डेनमार्क की गैर–मान्यता प्राप्त अलबार्ग विज्ञान अकादमी से मास्टर डिग्री होने का खुलासा हुआ। इराक के ही पूर्व युवा एवं खेल मंत्री अहमद अल–उबैदी ने भी उसी गैर–मान्यता प्राप्त डेनिश संस्थान से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। दोनों की इस कांड में अच्छी–खासी फजीहत हुई।

आठ साल पहले कुवैत में बड़े स्केल पर डिग्री घोटाले का खुलासा हुआ था। 2018 में जब इसकी जांच हुई, बड़ी संख्या में हाई–प्रोफाइल लोग फर्जी डिग्रियों के इस्तेमाल में लिप्त पाए गए। इस घोटाले में एक मिस्रवासी शामिल था, जिसने 'हाई–प्रोफाइल ग्राहकों' को सैकड़ों प्रमाणपत्र बेचे। उच्च शिक्षा मंत्रालय के दो कर्मचारियों को जालसाजी में मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। वर्ष 2019 में, लेबनान के चार विश्वविद्यालयों की फर्जी डिग्रियां बेचने के आरोप में जांच की गई, और 40 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया। देश के उच्च शिक्षा महानिदेशक इस घोटाले में शामिल थे। सऊदी अरब में, अधिकारियों ने हजारों फर्जी इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रमाणपत्रों का पता लगाया है।

वर्ष 2010 के दौरान, पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को लंदन के एक बिजनेस स्कूल से प्राप्त अपनी स्नातक की डिग्री के बारे में सवालों का सामना करना पड़ा था। हालांकि, पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले ने राष्ट्रपति पद के लिए डिग्री की आवश्यकता को रद्द कर दिया, जिससे जरदारी को फर्जी डिग्री घोटाले से बचने का मौका मिल गया।

श्रीलंका में संसद अध्यक्ष अशोक रानवाला ने 23 दिसंबर, 2024 को अपनी पीएचडी फर्जी होने के आरोपों की वजह से इस्तीफा दे दिया। वो केवल 22 दिन स्पीकर की कुर्सी पर बैठ पाए। उनके अलावा शहरी विकास एवं आवास मंत्री अनुरा कुरुणातिलके और न्याय मंत्री हर्षना नानायकारा पर भी डॉक्टरेट की डिग्री होने का झूठा दावा करने के लिए विपक्ष हमलावर हो गया।

कुछ देशों में सरकारी अधिकारियों के बीच शैक्षणिक कदाचार एक व्यापक मुद्दा है, जहां 'शैक्षणिक उपलब्धि' का उपयोग राजनीतिक करिअर को आगे बढ़ाने के लिए किया जाता है। जहां जर्मनी जैसे देशों में सार्वजनिक जवाबदेही पेशेवर अपमान और इस्तीफे का कारण बन सकती है, वहीं कमजोर कानून–व्यवस्था वाले देशों में नेता इन आरोपों को आसानी से नजरअंदाज कर सकते हैं। कुछ देशों को 'शोध प्रबंध कारखानों' से भी जूझना पड़ता है, जहां राजनेताओं को गुप्त रूप से लिखे गए अकादमिक शोध–पत्र बिक्री के लिए उपलब्ध होते हैं।

राजनीति में भाषा और व्यवहार की मर्यादा

– डॉ प्रियंका सौरभ–

लोकतंत्र में असहमति और आलोचना आवश्यक है, लेकिन जब यह अभद्रता और घृणा का रूप ले लेती है, तो समाज की आत्मा को चोट पहुँचती है। नेताओं द्वारा अपशब्दों और व्यक्तिगत हमलों का प्रयोग लोकतंत्र की गरिमा के लिए घातक है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए राजनीतिक संवाद में शिष्टता, संयम और सम्मान अनिवार्य हैं। वैचारिक मतभेद स्वीकार किए जा सकते हैं, पर भाषा और व्यवहार की मर्यादा बनाए रखना ही लोकतंत्र की आत्मा को जीवित रखता है। राजनेताओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके शब्द समाज को बांटे नहीं, बल्कि जोड़ें और प्रेरित करें।

लोकतंत्र केवल बहुसंख्यक मतदान और शासन प्रणाली तक सीमित नहीं है। यह समाज की सोच, नैतिकता, संवाद की गुणवत्ता और व्यक्तिगत आचरण का प्रतिबिंब भी है। लोकतंत्र में असहमति और आलोचना का होना स्वाभाविक है, क्योंकि यह समाज को सतत सुधार और विकास की ओर प्रेरित करता है। लेकिन जब असहमति अभद्रता, कटुता और घृणा के रूप में प्रकट होने लगे, तब यह केवल राजनीतिक बहस नहीं रह जातीय यह समाज की आत्मा पर चोट पहुँचाती है।

वर्तमान समय में हम देख रहे हैं कि राजनीतिक संवाद का स्तर लगातार गिर रहा है। नेताओं के भाषणों में पहले की अपेक्षा अधिक व्यक्तिगत आरोप, अपमानजनक टिप्पणियाँ और कटु शब्दावली का प्रयोग हो रहा है। यह केवल राजनीतिक असहमति का विस्तार नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की गरिमा के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। लोकतंत्र के मूल मूल्य में शामिल हैकृविचारों का सम्मान, विरोधियों के प्रति सहिष्णुता और संवाद की मर्यादा। जब ये मूल्य अनदेखा किए जाते हैं, तो समाज में असंतुलन और सामाजिक कट्टरता की स्थिति उत्पन्न होती है।

एक महिला होने के नाते यह अत्यंत पीड़ादायक है कि राजनीतिक भाषणों में महिलाओं के प्रति अपमानजनक और अभद्र टिप्पणियाँ की जाती हैं। यह केवल व्यक्तिगत हमला नहीं है, बल्कि यह समाज के नैतिक ताने–बाने पर भी चोट है। किसी भी जिम्मेदार नेता द्वारा अशोभनीय और असंसदीय विशेषणों का प्रयोग लोकतंत्र और उसकी गरिमा के लिए घातक होता है। नेताओं को यह समझना होगा कि उनके शब्द केवल उनके समर्थकों तक सीमित नहीं रहतेय उनका प्रभाव समाज के हर वर्ग और पीढ़ी पर पड़ता है।

इतिहास हमें यह सिखाता है कि राजनीति में गरिमा और शालीनता बनाए रखने से ही समाज स्थिर और सभ्य रहता है। देश ने अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी जैसे नेताओं को देखा है, जिनके समय में राजनीतिक असहमति के बावजूद संवाद का स्तर उच्च रहा। वे अपने विपक्षियों का सम्मान करते थे, वैचारिक मतभेद होने पर भी व्यक्तिगत अपशब्दों का प्रयोग नहीं करते थे। उनका आदर्श यही था कि राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता नहीं, बल्कि समाज को शिक्षित, संगठित और सुसंस्कृत बनाना भी है। आज जब हम उनके दौर से तुलना करते हैं, तो यह स्पष्ट होता है कि वर्तमान में राजनीतिक संवाद अपने नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों से बहुत दूर चला गया है। भाषा केवल शब्दों का समूह नहीं है। यह विचारों का माध्यम, संस्कारों का प्रतिबिंब और सामाजिक दृष्टिकोण की अभिव्यक्ति है। जब भाषा अशोभनीय और अपमानजनक हो जाती है, तो यह न केवल व्यक्तियों को अपमानित करती है, बल्कि समाज में आपसी विश्वास और सहयोग की भावना को भी कमजोर करती है। असहमति का अर्थ यह नहीं कि विरोधी के प्रति घृणा व्यक्त की जाए। असहमति का अर्थ यह है कि आप अपने विचार स्पष्ट करें, लेकिन सम्मान, सहिष्णुता और तर्क की मर्यादा बनाए रखें।

आज की राजनीति में अपशब्दों और अभद्रता की प्रवृत्ति का सबसे बड़ा खतरा यह है कि यह समाज में नई पीढ़ी के लिए उदाहरण स्थापित करती है। जब युवा नेताओं और समर्थकों के संवाद में अशोभनीय भाषा का प्रयोग देखेंगे, तो वे इसे सामान्य मानने लगेंगे। यह समाज की नैतिक पतन की ओर पहला कदम है। ऐसे में आवश्यक है कि हम राजनीतिक नेताओं से अपेक्षा करें कि वे अपने भाषणों और व्यवहार में मर्यादा का पालन करें। लोकतंत्र केवल कानून और संविधान तक सीमित नहींय यह समाज की नैतिक चेतना और मूल्य प्रणाली पर भी आधारित है। राजनीति में गरिमा बनाए रखने का अर्थ केवल विरोधियों का सम्मान करना ही नहीं है, बल्कि यह अपने समर्थकों और अनुयायियों के लिए भी नैतिक मार्गदर्शन करना है। जब नेता शालीन भाषा का प्रयोग करते हैं, तो वह समाज में एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण करता है। यह वातावरण विभिन्न विचारों, मतभेदों और बहस के लिए सुरक्षित मंच प्रदान करता है। इसके विपरीत, अशोभनीय और अपमानजनक भाषा समाज में भय, द्वेष और असहमति को बढ़ाती है। संपूर्ण लोकतंत्र के लिए यह आवश्यक है कि नेताओं में नैतिक चेतना और शब्दों की शक्ति की समझ विकसित हो। शब्द केवल माध्यम नहीं हैंय ये समाज की सोच, संस्कृति और भविष्य को आकार देते हैं। यदि राजनीतिक नेतृत्व अपने शब्दों की गंभीरता को समझे और संवाद में मर्यादा बनाए रखे, तो समाज में सम्मान, शांति और सहयोग की भावना स्वाभाविक रूप से विकसित होगी।

भले ही राजनीति में मतभेद स्वाभाविक हैं लेकिन व्यक्तिगत हमलों और अपशब्दों के बिना असहमति को व्यक्त किया जा सकता है। इसके लिए नेतृत्व को अपनी भाषा की संवेदनशीलता और प्रभाव को समझना होगा। लोकतंत्र में असहमति के लिए जगह हमेशा होनी चाहिए, लेकिन वह सम्मानजनक और सभ्य होनी चाहिए। यह प्रक्रिया समाज में न्याय, समानता और मानवता के मूल्यों को मजबूत करती है।

साथ ही, राजनीतिक संवाद में महिलाओं के प्रति सम्मान बनाए रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है। राजनीति केवल पुरुषों का क्षेत्र नहीं हैय समाज की आधी शक्ति महिलाओं में है। जब राजनीति में महिलाओं के प्रति अभद्र भाषा प्रयोग होती है, तो यह समाज के बड़े हिस्से को चोट पहुँचाती है। महिलाओं की गरिमा और सम्मान का ध्यान रखना न केवल नैतिक दायित्व है, बल्कि यह लोकतंत्र के मूल्यों की रक्षा भी करता है।

हमारे समाज ने देखा है कि जब नेता मर्यादित भाषा का प्रयोग करते हैं, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन आता है। यह परिवर्तन केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक, नैतिक और सांस्कृतिक रूप में भी होता है। भाषा की गरिमा बनाए रखने से युवा पीढ़ी सही मूल्य और नैतिक दृष्टिकोण सीखती है। इसके विपरीत, अपशब्दों और अभद्रता की प्रवृत्ति समाज में हिंसा, द्वेष और असहमति को जन्म देती है। इसलिए, अब समय आ गया है कि राजनीति में फिर से शिष्टता, गरिमा और सम्मानजनक भाषा का पुनर्जागरण हो। नेताओं को अपने भाषणों और सार्वजनिक संवाद में संयम, विवेक और शालीनता बनाए रखना होगा। यह केवल राजनीतिक नैतिकता की आवश्यकता नहीं, बल्कि यह लोकतंत्र और समाज की आत्मा की रक्षा का माध्यम भी है।

लोकतंत्र में स्वस्थ संवाद के बिना समाज का विकास असंभव है। राजनीतिक असहमति को अभद्रता में बदलने की प्रवृत्ति समाज को कमजोर करती है। अतः सभी राजनीतिक दलों, नेताओं और समाज के जागरूक नागरिकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भाषा और संवाद का स्तर उच्च बना रहे। यह केवल शब्दों का संघर्ष नहीं, बल्कि समाज की नैतिकता, संस्कार और लोकतांत्रिक मूल्य संरचना की रक्षा है। अंततः, लोकतंत्र केवल कानून और संविधान तक सीमित नहीं है। यह समाज की नैतिक चेतना, संवाद की शालीनता और नेतृत्व की जिम्मेदारी पर भी आधारित है। जब राजनीतिक भाषा गरिमामय होगी, तभी लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति और समाज की एकता सुरक्षित रह सकेगी। आज समय है कि हम सब मिलकर राजनीति में भाषा की गरिमा की पुनर्स्थापना करें, ताकि लोकतंत्र की आत्मा स्वस्थ और समाज का भविष्य उज्जवल बना रहे।

विविधता में एकता और समन्वय का संदेश

– डॉ सत्यवान सौरभ–

संघ की शताब्दी यात्रा का उद्देश्य केवल संगठन विस्तार नहीं, बल्कि समाज के सभी वर्गों में संतुलन, संस्कार और एकता लाना है। डॉ मोहन भागवत ने कहा कि भारत अखंड है और हिन्दू राष्ट्र की भावना जीवन और संस्कृति में निहित है। संघ का कार्य निःस्वार्थ सेवा, शिक्षा में संस्कार और सामाजिक उत्थान पर केंद्रित है। आर्थिक स्वावलंबन, स्वदेशी और रोजगार सृजन पर बल दिया गया। संघ महिलाओं को नेतृत्व में सक्रिय करता है। जनसंख्या संतुलन, आरक्षण और सांस्कृतिक जागरूकता पर ध्यान देते हुए संघ समाज के कोने–कोने तक सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का उदय भारत की आत्मा और उसकी सभ्यता को केंद्र में रखकर हुआ है। संघ का कार्य केवल संगठन निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत के उस लक्ष्य की ओर अग्रसर है जहाँ राष्ट्र विश्वगुरु के रूप में पुनः स्थापित हो सके। संघ की प्रार्थना का अंतिम उद्घोष 'भारत माता की जय' इस यात्रा का प्रेरणास्रोत है। यही कारण है कि संघ की कार्यप्रणाली धीमी, दीर्घकालिक और सतत है।

संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने शताब्दी वर्ष के अवसर पर यह स्पष्ट किया कि संगठन का अर्थ किसी के विरोध में खड़ा होना नहीं है। संघ का मर्म 'वसुधैव कुटुंबकम्' हैकृ पूरा विश्व एक परिवार है। इस दृष्टि से संघ ने स्वयंसेवकों के माध्यम से समाज और राष्ट्र की एकता के लिए कार्य किया है। स्वयंसेवक स्वयं तैयार होते हैं और दूसरों को तैयार करते हैं। संगठन की यह प्रक्रिया आत्मनिर्भर है, जिसमें 'गुरु दक्षिणा' जैसे उपक्रम केवल प्रतिबद्धता और आस्था का प्रतीक हैं।

भारत की राष्ट्र–परिभाषा पश्चिमी अवधारणा से भिन्न है। यहाँ राष्ट्र सत्ता पर आधारित नहीं, बल्कि संस्कृति और आत्मा पर आधारित है। अंग्रेजों की गुलामी के दौरान भी भारत राष्ट्र था, क्योंकि राष्ट्र का आधार यहाँ केवल शासन नहीं बल्कि साझा परंपरा, श्रद्धा और संस्कार रहे हैं। यही कारण है कि संघ का उद्देश्य सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज के नैतिक उत्थान के द्वारा राष्ट्र का पुनर्निर्माण करना है। भारत की वास्तविक पहचान उसकी विविधता में एकता है। डॉ. भागवत ने कहा कि भारतीय समाज का स्वभाव संघर्ष का नहीं, बल्कि समन्वय का है। इस भूमि ने हमेशा भीतर झाँककर सत्य की खोज की है, बाहर देखने की आवश्यकता कम ही रही। यही कारण है कि यहाँ के महापुरुषों ने मानवता, सृष्टि और मनुष्य को आपस में जुड़े हुए रूप में समझा।

स्वामी विवेकानंद और स्वामी दयानंद सरस्वती जैसे महापुरुषों ने अपने विचारों से इस चेतना को जागृत किया। वहीं, डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने यह अनुभव किया कि समाज की कुरीतियाँ और आंतरिक दोष हमें बार–बार गुलामी की ओर धकेलते हैं। उन्होंने ठाना कि संपूर्ण हिन्दू समाज का संगठन कर ही इन दोषों को दूर किया जा सकता है। यही उद्देश्य लेकर 1925 में संघ की स्थापना हुई। 'हिन्दू' शब्द को धार्मिक सीमा में बाँधना उचित नहीं है। यह शब्द समावेश का प्रतीक है, जिसमें हर किसी की श्रद्धा का सम्मान है। हिन्दू का अर्थ है दूसरों को बदलने की आवश्यकता न समझना, बल्कि उन्हें उनके मार्ग पर सम्मानपूर्वक चलने देना। इस दृष्टि से हिन्दू कहना 'हिन्दू बनाम अन्य' नहीं है, बल्कि यह विविधता में एकता की सर्वोच्च अभिव्यक्ति है।

आज जब जीवन की गुणवत्ता और सामाजिक समरसता पर प्रश्न उठते हैं, तो लोग अपने मूल की ओर लौटते हैं। इसीलिए धीरे–धीरे वे लोग भी स्वयं को हिन्दू कहने लगे हैं, जो पहले इससे दूरी रखते थे। संघ इस प्रक्रिया को बल देता है, लेकिन किसी पर दबाव नहीं डालता। संघ के लिए हिन्दू राष्ट्र सत्ता या शक्ति का प्रश्न नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक समन्वय की स्वाभाविक परिणति है। संघ ने अपने शताब्दी वर्ष को केवल उत्सव तक सीमित नहीं रखा है, बल्कि इसे आत्मगंथन और भविष्य–दृष्टि का अवसर बनाया है। संघ यह मानता है कि भारत केवल भौगोलिक इकाई नहीं है, बल्कि एक सांस्कृतिक राष्ट्र है। इस सांस्कृतिक राष्ट्र की विशेषता यह है कि इसमें विविधताओं का सम्मान है, परंतु यह विविधता विभाजन का कारण नहीं बनती। आज की पीढ़ी में यह प्रश्न अक्सर उठता है कि हिन्दू राष्ट्र का अर्थ क्या है? डॉ. भागवत ने इसे स्पष्ट करते हुए कहा कि हिन्दू राष्ट्र का अर्थ किसी के बहिष्कार से नहीं है। यह सबको साथ लेकर चलने का मंत्र है।

मनोकामना हनुमान मंदिर का जमीन प्रकरण, एसडीएम ने राजस्व टीम के साथ चारों तरफ की जमीन का कराया पैमाइश

संवाददाता–देवरिया। जिले के चर्चित मनोकामना हनुमान मंदिर जमीन विवाद को लेकर शुक्रवार को प्रशासनिक अमला एक्शन मोड में दिखा। सुबह छह बजे से ही मंदिर के चारों तरफ पुलिस–फोर्स की चाक–चौबंद तैनाती कर मंदिर परिसर को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। इस दौरान एसडीएम श्रुति शर्मा ने राजस्व विभाग की दो टीमों के साथ मंदिर की चारों तरफ की जमीन की पैमाइश कराई। मापन कार्य के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए एएसपी दक्षिणी, सीओ सदर, सीओ बरहज, सीओ भाटपार समेत कोतवाल और थानेदारों की पूरी फौज मौके पर मौजूद रही। पैमाइश के दौरान मंदिर के मुख्य द्वार से लेकर आसपास के इलाकों में भारी संख्या में महिला और पुरुष बल तैनात रहा। प्रशासनिक सतर्कता का आलम यह था कि स्थानीय लोग मंदिर परिसर के अंदर और बाहर आने–जाने में पुलिस निगरानी में ही गुजरते रहे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रदेश सरकार के स्तर पर भी पूरी निगरानी रही। राज्य मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम के प्रतिनिधि मौके पर मौजूद रहे और उन्होंने प्रशासनिक अमले के साथ लगातार संवाद बनाए रखा। वहीं, हनुमान मंदिर के उत्तराधिकारी महंत भी पूरे समय मौके पर डटे रहे। पैमाइश की हर प्रक्रिया महंत और मंदिर समिति की मौजूदगी में की गई, जिससे भविष्य में विवाद की स्थिति न पैदा हो। ज्ञात हो कि मनोकामना हनुमान मंदिर की जमीन को लेकर पिछले कई वर्षों से विवाद चल रहा है। प्रशासनिक आदेश के बाद शुक्रवार को कराई गई पैमाइश को विवाद सुलझाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। मंदिर के आसपास स्थानीय लोगों की भारी भीड़ रही, लेकिन पुलिस की सख्त व्यवस्था के कारण किसी भी तरह की गड़बड़ी नहीं हुई। सुबह से दोपहर तक चला यह मापन कार्य शांति और सुरक्षा के बीच संपन्न हुआ। इस पैमाइश को लेकर अब पूरे जिले की निगाहें प्रशासनिक रिपोर्ट पर टिकी हैं। राजस्व टीम द्वारा तैयार रिपोर्ट के आधार पर आगामी कार्रवाई तय होगी। प्रशासनिक सूत्रों की मानें तो यह पैमाइश मंदिर की जमीन पर चल रहे विवाद को निपटाने में निर्णायक साबित हो सकती है।

वर्तमान सरकार जुमले बाज और किसान विरोधी –पाल

संवाददाता–महराजगंज। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने पनियरा के बसनौली में कहा कि प्रदेश की वर्तमान सरकार जुमलेबाजी करती है। नौजवानों की नौकरी छीनने, महिलाओं को पेंशन न देने व बुजुर्गों का सम्मान न करने वाली सरकार है। किसानों की हमदर्द नहीं है क्योंकि आज किसान खाद के लिए परेशान और पुलिस की लाठियां खा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उन्हें विश्वास है की अबकी बार पीडीए सरकार बनेगी और जनता की परेशानियों का समाधान करेगी। उन्होंने कहा खाद लेने के दौरान एक किसान की मौत होने के मामले में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर उसके घर तेरहवीं पर सांत्वना देने जा रहा हूं।

इसके पूर्व प्रदेश अध्यक्ष का भौराबारी, मुजुरी व पनियरा में सपा के लोगों ने स्वागत किया। इस दौरान वरिष्ठ नेता सुशील कुमार टिबड़ेवाल, पूर्व प्रवक्ता युवजन सभा रामगोपाल यादव, जिला उपाध्याय अमरनाथ उर्फ लल्ला यादव, कृष्णमोहन सिंह उर्फ बबलू सिंह, कृष्णभान सिंह, हरेंद्रकृष्ण त्रिपाठी, सुमन ओझा, सपा विधानसभा अध्यक्ष अर्जुन यादव, रामनरायण यादव, उमा यादव, आदि लोग मौजूद रहे।

14 केंद्रों पर 4200 बोरी पहुंची, 2976 मीट्रिक टन यूरिया स्टॉक में

संवाददाता–बहराइच। यूरिया की कमी को दूर करने के लिए जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी के प्रयासों से निरंतर आपूर्ति हो रही है। जिला कृषि अधिकारी डॉ. सूबेदार यादव के अनुसार, जिले में वर्तमान में 2976 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है। इसके अलावा 5226 मीट्रिक टन डीएपी, 2808 मीट्रिक टन एनपीके और 13322 मीट्रिक टन सिंगल सुपर फास्फेट का स्टॉक है। अब तक जिले में 58925 मीट्रिक टन यूरिया का वितरण किया जा चुका है। पिछले बृहस्पतिवार को एक दिन में 607 मीट्रिक टन यूरिया बांटा गया। जिले की 14 समितियों में प्रत्येक को 13.5 मीट्रिक टन यूरिया भेजा गया है। इन समितियों में सहकारी संघ बालापुर, बाबागंज, कटहा और साधन सहकारी समिति खुटेहना, पयागपुर, वशेश्वरगंज, रिसिया, शंकरपुर, नासिरगंज, कसेहरी बुजुर्ग, साधन, सरायजगना, रायबोझा और नाकौड़ा शामिल हैं। कालाबाजारी रोकने के लिए सख्त कार्रवाई की जा रही है। सीमावर्ती क्षेत्रों में नियमित छापेमारी हो रही है। उर्वरक की कालाबाजारी में शामिल 3 व्यक्तियों और 1 उर्वरक विक्रेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

डीएम ने 4 डॉक्टरों का वेतन रोका

संवाददाता–गोण्डा। डीएम प्रियंका निरंजन ने जिला स्वास्थ्य समिति की मासिक समीक्षा बैठक में कई अधिकारियों पर कार्रवाई की है। पेंटा वैक्सीन की खराब प्रगति पर सीएचसी अधीक्षक हलधरमऊ, करनैलगंज, इटियाथोक, काजीदेवर, बेलसर और तरबगंज को शोकॉज नोटिस जारी किया गया है। सीएचसी पंडरीकृपाल के अधीक्षक डॉ. आलोक सिंह का वेतन रोका गया है। साथ ही, सीआईएफ केस की पहचान न करने पर इटियाथोक के डॉ. सुनील पासवान, मनकापुर के डॉ. एस.एन. सिंह और रुपईडीह के डॉ. अजय यादव का भी वेतन रोक दिया गया है। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रश्मि वर्मा को सभी सीएचसी अध्यक्षों के साथ समीक्षा बैठक करने के निर्देश दिए हैं। सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। समीक्षा में यह भी सामने आया कि कुछ आशा कार्यकर्ता पिछले 6 महीने से कोई काम नहीं कर रही हैं। जिलाधिकारी ने ऐसी आशाओं की जांच करवाकर उन्हें बर्खास्त करने के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आशाओं की नियुक्ति स्वास्थ्य सुविधाओं को गांव तक पहुंचाने के लिए की गई थी। अपने कर्तव्यों में लापरवाही बरतने वाली आशाओं को बर्खास्त किया जाएगा।

अयोध्या में भक्तों को मिलेगी अंतरराष्ट्रीय सुविधा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। पंचकोसी परिक्रमा मार्ग पर क्वालिटी इन रामा बाई चॉइस होटल जो अंतरराष्ट्रीय ब्रांड है अब अयोध्या में देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालु ले सकेंगे सेवा जिसका भाव उद्घाटन बुधवार को अयोध्या के संतो महंतों की उपस्थिति में हुआ, अयोध्या में यह पहला होटल होगा जिसमें इन करते हैं मंदिर की फीलिंग और भजनों की गुनगुनाहट सुनाई देगी। यह अंतरराष्ट्रीय ब्रांड का होटल राममंदिर पहुंचने से पहले श्रद्धालुओं में मंदिर की फीलिंग महसूस कर आएगा और होटल में ठहरने वाले श्रद्धालुओं को मुख्यरूप से जैन और दक्षिण भारतीय फूड परोसा जाएगा, जिसकी कास्ट बहुत कम होगी।होटल की एक विशेषता यह है कि यहाँ इन–हाउस राम दरबार की स्थापना की गई है। जहाँ के पंडित द्वारा विधिवत पूजा–पाठ व धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए जाएंगे और यहां अतिथियों का तिलक लगाकर न केवल स्वागत होगा बल्कि वे भगवान के अभिषेक का पवित्र जल भी प्रसाद के रूप में ले सकेंगे।

होटल के प्रबंधक पवन शाह ने बताया कि हम हम भगवान श्री राम की जन्मस्थली में रहते हैं, व्यवसाय तो एक बहाना है अयोध्या में आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा ही मुख्य लक्ष्य है।हम अयोध्या की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को ध्यान में रखते हुए, सात्विकता और गुणवत्ता के साथ अतिथियों को अंतरराष्ट्रीय मानक की सेवाएं प्रदान करेंगे। हमारा उद्देश्य है कि यहाँ आने वाले प्रत्येक अतिथि को अयोध्या की दिव्यता और अध्यात्म का अनुभव करना है। कम लागत में अधिक सुविधा देना ही हमारा मुख्य लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि इस होटल को तैयार करने में संजय जालान, उनके पुत्र शुभम जालान और मुकेश जैन प्रमुख सहयोगी है, होटल में 45 कमरे हैं जो अंतरराष्ट्रीय स्तर के हैं, सभी श्रद्धालुओं को कम खर्च में अधिक व्यवस्था देने का प्रयास है।

उच्चीकृत होगी पीएचसी छितौनी, निदेशक ने सीएमओ से मांगी जानकारी

संवाददाता–कुशीनगर। खड्डा विधानसभा क्षेत्र के छितौनी कस्बे को जल्द ही बड़ी स्वास्थ्य सुविधा मिलने जा रही है। छितौनी के नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के उच्चीकरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। लंबे समय से चली आ रही इस मांग को विधायक विवेकानन्द पांडेय की पहल ने गति दी है। विधायक ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर छितौनी न्यू पीएचसी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनाए जाने की मांग रखी थी, जिस पर मुख्यमंत्री ने संज्ञान लेते हुए निदेशक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को पत्र लिखकर आवश्यक कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद निदेशक ने सीएमओ को पत्र भेजकर नौ बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी तत्काल उपलब्ध कराने को कहा गया है ताकि उच्चीकरण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सके।

विधायक विवेकानन्द पांडेय ने जून महीने में मुख्यमंत्री से मिलकर उन्हें पत्र सौंपकर छितौनी नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के उच्चीकरण की मांग की थी। उन्होंने बताया था कि छितौनी कस्बा बिहार की सीमा से सटा होने के कारण बेहद संवेदनशील और घनी आबादी वाला क्षेत्र है। यहां की जनसंख्या काफी अधिक है, लेकिन 15 किलोमीटर के दायरे में कहीं भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उपलब्ध नहीं है। इस वजह से आसपास के हजारों लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए दूर–दराज के अस्पतालों पर निर्भर रहना पड़ता है।

विधायक ने पत्र में यह भी लिखा था कि छितौनी क्षेत्र में बड़ी संख्या में गरीब, मजदूर और वंचित समाज के लोग रहते हैं, जिनके लिए स्वास्थ्य सेवाएं और भी जरूरी हैं। विधायक की इस मांग को मुख्यमंत्री ने गंभीरता से लिया और निदेशक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को आवश्यक कदम उठाए जाने के निर्देश दिए। निदेशक ने सीएमओ कुशीनगर को भेजे पत्र में कहा है कि शासनादेश 11 फरवरी 2014 के अनुसार छितौनी पीएचसी के उच्चीकरण को लेकर विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध कराए ताकि इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाई जा सके। निदेशक द्वारा भेजे गए पत्र में छितौनी कस्बे की कुल जनसंख्या, आसपास की ग्राम पंचायतों की आबादी और चिकित्सा सुविधा की स्थिति, पीएचसी छितौनी से निकटतम स्वास्थ्य केंद्र की दूरी और कौन–कौन सी सुविधाएं मिलती हैं और छितौनी पीएचसी का वार्षिक आउटडोर और इनडोर मरीजों के आंकड़ा समेत नौ बिंदुओं की जानकारी मांगी है। विधायक विवेकानंद पांडेय ने कहा कि छितौनी कस्बा स्वास्थ्य सुविधाओं की दृष्टि से लंबे समय से उपेक्षित रहा है। यहां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तो है, लेकिन सीमित संसाधनों और स्टाफ के कारण लोगों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिल पातीं हैं। आपात स्थिति में मरीजों को खड्डा या जिले के अन्य अस्पतालों में जाना पड़ता है। सीएचसी बनने से इस पूरे इलाके को बड़ी राहत मिलेगी। करीब 50 हजार से अधिक की आबादी को प्राथमिक से लेकर विशेषज्ञ स्तर तक की चिकित्सा सेवाएं स्थानीय स्तर पर मिल पाएंगी। इसमें स्त्री एवं प्रसूति रोग, बाल रोग, शल्य चिकित्सा, आपातकालीन सेवाएं, लैब और एक्स–रे जैसी जांच सुविधाएं शामिल होंगी।

छोटे–मोटे तूफानों से अर्थव्यवस्था पर कोई असर नहीं पड़ेगा, साउथ ग्लोब के देश हमें अपना लीडर मानते है –कीर्तिवर्धन सिंह

संवाददाता–गोण्डा। केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने भारत–अमेरिका टैरिफ विवाद पर कहा– दुनिया की परिस्थितियां लगातार बदल रही हैं। व्यापार के क्षेत्र में भी आयात–निर्यात और कारोबारी माहौल में बड़े बदलाव आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 10दृ12 सालों में पीएम नरेंद्र मोदी की नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है। ऐसे छोटे–मोटे तूफानों से हमारी अर्थव्यवस्था को कोई फर्क नहीं पड़ेगा। सरकार की जिम्मेदारी है कि नागरिकों को नुकसान न होने पाए। जहां बेहतर बाजार मिलेगा, वहां हम प्रवेश करेंगे और मजबूती से आगे बढ़ेंगे। ये बातें राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आरपी इंटर कॉलेज में कहीं। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री की वर्षों की मेहनत का परिणाम है कि कई देश अब भारत के साथ खड़े हैं। दक्षिण और ग्लोबल साउथ के देश भारत को अपना नेता मानते हैं और उनके साथ मिलकर भारत आर्थिक मजबूती की दिशा में और आगे बढ़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि टैरिफ विवाद नया नहीं है। "हमारे ट्रेड बैलेंस में लंबे समय से भारत के पक्ष में स्थिति रही है। हम जितना अमेरिका से खरीदते नहीं थे, उससे कहीं ज्यादा हम अमेरिका को एक्सपोर्ट करते थे। इसका लाभ भी हमें मिला है, सिर्फ नुकसान नहीं हुआ। दुनिया में सरकारें और उनकी नीतियां बदलती रहती हैं, स्थायी कुछ नहीं होता। भारत–जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी की भागीदारी पर कांग्रेस की आलोचना को लेकर मंत्री ने कहा– कांग्रेस का नजरिया बहुत सीमित हो गया है। उनका ध्यान सिर्फ प्रधानमंत्री की कुर्सी पाने पर है। संसद नहीं चलने देते, तरह–तरह के बयान देकर देश की इमेज को नुकसान पहुंचा रहे हैं। यह गलत है। उन्होंने कहा– जापान ने भारत में ट्रिलियन येन के निवेश का ऐलान किया है। यह संबंधों की मजबूती का प्रमाण है और इसका श्रेय पीएम नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री की कूटनीति को जाता है।

कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह संदेश साफ कर दिया है कि भारत झुकने वाला नहीं है। उनके निर्णय ही इस बात का संकेत हैं। बिहार में पीएम मोदी की मां के प्रति की गई अभद्र टिप्पणी पर उन्होंने कहा– ऐसी स्तरहीन गतिविधियों पर मैं कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। देश की जनता समय आने पर वोट के रूप में इसका सही जवाब देगी। बता दें कि राज्य मंत्री शुक्रवार को आरपी इंटर कॉलेज खेल प्रतियोगिताओं शुभारंभ करने पहुंचे थे। वॉलीबॉल और खो–खो सहित कई प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। हजारों बच्चों ने इसमें भाग लिया। विजेताओं को प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर सम्मानित किया गया। खेल को गांव–गांव तक पहुंचाने के लिए मंगल दल टोलियों को अलग–अलग खेलों की किट भी दी गई।

12 साल के बच्चे का शव नहर से मिला, परिजनों ने पड़ोसी पर लगाया हत्या का आरोप, हाईवे जाम कर हंगामा

संवाददाता–महराजगंज। लापता 12 साल के बच्चे का शव नहर से बरामद होने के बाद परिजनों ने हत्या का आरोप लगाकर हंगामा शुरू कर दिया। नाराज परिजनों ने फरेंदा हाईवे पर जिला उद्योग कार्यालय के पास जाम लगा दिया। पुलिस उनको समझाने में जुटी है। परिजन हत्या आरोपियों के गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हैं। मामला सदर कोतवाली क्षेत्र के चिउरहा वार्ड नं–19 का है। यहां रहने वाले गणेश चौधरी के 12 साल का बेटा हिमांशु चौधरी 24 अगस्त की शाम करीब 5 बजे गांव के प्राइमरी स्कूल के पास गोशाला के नजदीक खेलते समय गायब हो गया था। बृहस्पतिवार की देर रात बच्चे का शव दुबौली नहर से बरामद होने की खबर मिलते ही परिजन फफक पड़े से हत्या की आशंका जताई स परिजनों का कहना है कि 24 अगस्त को ही थाने में तहरीर देकर गुमशुदा होने की जानकारी दी थी।

पिता गणेश चौधरी ने आशंका जताई थी कि उनके मासूम बेटे को कोई बहला–फुसलाकर मगा ले गया है। इस पर पुलिस ने तत्काल अपहरण का केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। परिजन, रिश्तेदार और ग्रामीण लगातार अलग–अलग स्थानों पर उसकी तलाश कर रहे थे, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग पा रहा था। बृहस्पतिवार देर रात जैसे ही दुबौली नहर से बच्चे का शव बरामद हुआ, घर में कोहराम मच गया। परिजन शव देखकर बेसुध हो गए। सूचना मिलते ही सदर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया। सदर कोतवाल निर्भय कुमार सिंह ने बताया– 12 वर्षीय बालक का शव बरामद कर लिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की जानकारी हो सकेगी। ग्रामीणों व परिजनों का आरोप है कि पहले दिन से ही पुलिस हत्यारोपियों जो बचाने का प्रयास कर रही है। परिजनों का कहना है कोतवाली जाने पर कोई सुनवाई नहीं हुई। सुबह परिजनों ने एनएच 730 पर जाम लगा दिया। अपर पुलिस अधीक्षक सहित सैकड़ों पुलिसकर्मी मौके पर परिजनों को समझाने बुझाने में जुटे हैं।

यूरिया खाद समय से न मिलने से किसानों में आक्रोश, किसानों ने किया सड़क जाम

संवाददाता–श्रावस्ती। सिरसिया क्षेत्र में किसानों ने यूरिया खाद नहीं मिलने के विरोध में चिल्लरिया मोड़ पर सड़क जाम कर दिया। किसानों का आरोप है टोकन मिलने के कई दिन बाद भी सहकारी समिति पर खाद का वितरण नहीं हो रहा है। दरअसल आरोप है की सहकारी समिति ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए किसानों को अलग–अलग तिथियों पर टोकन देकर बुलाया था। आश्वासन दिया गया था कि सभी को क्रमबद्ध तरीके से खाद मिलेगी। लेकिन वादे के अनुसार खाद नहीं मिलने से नाराज किसानों ने सड़क जाम कर दिया। जिससे दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई। इससे कुछ दिन पहले कटरा बाईपास पर भी किसानों ने सड़क जाम किया था। जिसे बीजेपी विधायक के हस्तक्षेप के बाद हटा दिया गया था। वहीं परेवपुर के पास भी किसानों ने कुछ दिनों पूर्व खाद की मांग को लेकर सड़क जाम किया था। जिसे पुलिस के समझाने पर किसानों ने हटाया था। जिले में किसान सुबह से शाम तक सहकारी समितियों पर लाइन में खड़े रहते हैं। वहीं स्टॉक से अधिक किसानों के पहुंचने के कारण कई बार कई लोग बिना खाद के वापस लौट रहे हैं। धान की फसल में समय पर यूरिया न मिलने से विकास प्रभावित होने की चिंता में पुरुष और महिला किसान परेशान हैं। विभाग का दावा है कि जिले में यूरिया की कोई कमी नहीं है। सभी किसानों को खाद उपलब्ध कराई जाएगी।

श्रावस्ती में लाइसेंस बहराइच में कारोबार

संवाददाता–श्रावस्ती। जिले के कृषि विभाग ने सात उर्वरक थोक विक्रेताओं के खिलाफ जांच के बाद बड़ी कार्रवाई करते हुए लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं। दरअसल, इन विक्रेताओं ने श्रावस्ती में लाइसेंस लिया था, लेकिन कारोबार बहराइच से कर रहे थे।

फुटकर विक्रेताओं की शिकायत के बाद कृषि विभाग के द्वारा सभी की जांच कराई गई, वहीं जांच में पता चला कि इन विक्रेताओं ने इकौना, जमुनहा, गिलौला और भिनगा क्षेत्र में गोदाम दिखाकर लाइसेंस प्राप्त किया था। निलंबित किए गए विक्रेताओं में मेसर्स अग्रवाल फर्टिलाइजर बीरगंज बाजार, मेसर्स निरंकारी फर्टिलाइजर्स चेतिया मुरार, मेसर्स सूरजमल मोहनलाल सोनवा, मेसर्स अंसारी खाद भंडार इकौना वीरपुर चौराहा, मेसर्स कलीम ट्रेडर्स भिनगा पुरानी बाजार, और मेसर्स बाबूलाल अमूल रतन रत्नापुर शामिल हैं। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि सभी थोक विक्रेताओं की जांच की गई थी। यह देखा जा रहा था कि वे नियमानुसार रिटेलर्स को खाद उपलब्ध करा रहे हैं या नहीं। जांच में पाया गया कि ये विक्रेता निर्धारित स्थल से खाद का वितरण नहीं कर रहे थे। इनके पास रैक पॉइंट भी नहीं था।

जिला कृषि अधिकारी ने सभी सात लाइसेंस निलंबित विक्रेताओं से स्पष्टीकरण भी मांगा है। विभाग की कार्रवाई से स्पष्ट है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले विक्रेताओं पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय ताइक्वांडो खिलाड़ी वैष्णवी चौधरी सम्मानित

संवाददाता–गोण्डा। पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में राष्ट्रीय खेल दिवस और मेजर ध्यानचंद की जयंती पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। जहाँ जिला प्रशासन की ओर से आयोजित कार्यक्रम का डीएम प्रियंका निरंजन, जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम मिश्रा और कैसरगंज सांसद प्रतिनिधि सोनू सिंह, गोंडा सांसद प्रतिनिधि रमाशंकर मिश्रा द्वारा शुभारंभ किया गया है।

कार्यक्रम में हॉकी, फुटबॉल और क्रिकेट सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विभिन्न विद्यालयों और खेल संस्थानों से आए प्रतिभागियों ने इन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय ताइक्वांडो खिलाड़ी वैष्णवी चौधरी को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उन्हें स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। वैष्णवी ने गोंडा का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है ताइक्वांडो खिलाड़ी के क्षेत्र में लगातार एक के बाद एक वैष्णवी चौधरी द्वारा उत्कृष्ट कार्य भी किया जा रहा है। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने कहा कि खेल शारीरिक और मानसिक विकास का माध्यम हैं। साथ ही राष्ट्र निर्माण में भी इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने बताया कि प्रशासन खेलों के विकास के लिए लगातार प्रयासरत है। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र दिए गए। विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी और मेडल से सम्मानित किया गया। इस मौके पर जिला क्रीड़ा अधिकारी अशोक सोनकर, जिला विकास अधिकारी सुशील कुमार श्रीवास्तव और ताइक्वांडो खेल सचिव प्रत्यूष समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

मेजर ध्यानचंद की जयंती पर हॉकी मैच का आयोजन, पूर्व सांसद ने किया उद्घाटन

संवाददाता–बहराइच। इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम में राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह आयोजित किया गया। पूर्व सांसद अक्षयवर लाल गोड और सदर विधायक के प्रतिनिधि अशोक जायसवाल ने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम में कई विद्यालयों के शिक्षक और छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों को खेल भावना की शपथ दिलाई गई। जनता मॉन्टेसरी स्कूल और गोल्डन वेल्स एकेडमी के बीच हॉकी मैच का आयोजन किया गया। पूर्व सांसद गोड ने कहा कि पद्म भूषण मेजर ध्यानचंद की जयंती को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि सरकार खेलों के माध्यम से युवाओं का समग्र विकास चाहती है। गोड ने ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ियों की उपलब्धियों का उल्लेख किया। कार्यक्रम का संचालन सरदार सरजीत सिंह ने किया।

जिला अस्पताल में प्रमुख सचिव का औचक निरीक्षण

संवाददाता–बलरामपुर। संयुक्त जिला अस्पताल में खादी ग्राम उद्योग के प्रमुख सचिव अनिल कुमार सागर ने शुक्रवार को निरीक्षण किया। अस्पताल परिसर की जांच के दौरान शौचालय में गंदगी और पानी बहने की समस्या मिली। इस पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए तुरंत सुधार के निर्देश दिए।

सर्जन के कक्ष में एक प्राइवेट दवा मिलने पर प्रमुख सचिव ने आपत्ति जताई। सर्जन द्वारा यह दवा निजी उपयोग की बताई गई। प्रमुख सचिव ने स्पष्ट किया कि अस्पताल में केवल सरकारी दवाओं का ही इस्तेमाल किया जाए।

औषधि भंडार के निरीक्षण में कुछ दवाएं एक्सपायर होने के करीब पाई गईं। प्रमुख सचिव ने इन दवाओं को प्राथमिकता से वितरित करने के निर्देश दिए। यह सुनिश्चित करने को कहा कि दवाएं खराब न हों और जनहित में उपयोग हो सकें।

मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य से चर्चा में प्रमुख सचिव ने स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मरीजों को बेहतर सेवाएं देना सरकार की प्राथमिकता है। स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी तरह की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

यूपी में कांग्रेस की सरकार बनाना है, जी–जान से जुट जाइए –सिद्धारमैया

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर एयरपोर्ट पर शुक्रवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस दौरान सिद्धारमैया ने यूपीी में कांग्रेस को मजबूत करने और सांसद राहुल गांधी के संकल्प को पूरा करने के लिए कार्यकर्ताओं का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अब वक्त है कि कांग्रेस को यूपी में फिर से मजबूती मिले और इसके लिए हर कार्यकर्ता को जी–जान से जुट जाना होगा। ताकि यूपी में कांग्रेस की सरकार बने। सिद्धारमैया, शुक्रवार दोपहर गोरखपुर एयरपोर्ट पर उतरे। हरियाणा प्रभारी बी के हरिप्रसाद, एमएलसी सलीम अहमद, कर्नाटक के मंत्री जमीर अहमद के साथ सड़क मार्ग से सिवान जनपद रवाना हुए जहां उन्हें लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ जनसभा को संबोधित करना था।

एयरपोर्ट पहुंचने पर महानगर अध्यक्ष रवि प्रताप निषाद और जिला अध्यक्ष राजेश कुमार तिवारी ने पुष्पगुच्छ भेट कर अभिनंदन किया। वहीं, अन्य पदाधिकारियों ने गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा की। कांग्रेस जिंदाबाद के नारों के साथ मुख्यमंत्री का अभिवादन किया। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि,मुझे इतने कम समय में इतना आत्मीय स्वागत मिला, इसके लिए मैं गोरखपुर की कांग्रेस इकाइयों का आभारी हूं। अब समय आ गया है कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बने। इसके लिए सभी कार्यकर्ता राहुल गांधी जी के नेतृत्व और संकल्प को पूरा करने के लिए जी–जान से जुट जाएं। उसके बाद मुख्यमंत्री एयरपोर्ट से सिवान, बिहार के लिए रवाना हो गए। इस दौरान स्वागत करने वालों में विधायक वीरेंद्र चौधरी, दिलीप कुमार निषाद, गोरखलाल श्रीवास्तव, डॉ सैय्यद जमाल अहमद, अनिल सोनकर, रजनीश मिश्रा, अनवर हुसैन, डॉ अविनाशपति त्रिपाठी, गोरखनाथ यादव, अभिषेक राय गांधी, गामा प्रसाद, अजय कन्नौजिया, जयनारायण यादव, इंद्रजीत चौधरी, निर्मला पासवान, अभिमन्यु विश्वकर्मा, अभय सिंह, सुरेंद्र पासवान, राकेश मौर्य, मोहम्मद अरशद समेत काफी संख्या में कांग्रेसी उपस्थित रहे।

दिल्ली स्कूल आफ एक्सीलेंस में राष्ट्रीय खेल दिवस पर खेल कार्यक्रमों का आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दिल्ली स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के कार्यक्रम में शुभारंभ में विद्यालय प्रबंधक जेपी सिंह और प्रधानाचार्य गोपाल त्रिपाठी ने खेल शिक्षक शिवेंद्र त्रिपाठी और अंगद चौरसिया के साथ माँ सरस्वती और मेजर ध्यानचंद जी के चित्र पर माल्यार्पण, पुष्प अर्पण कर दीप प्रज्वलित किया।

स्कूल हेड शिवम और हेड गर्ल शशि मिश्रा, खेल कप्तान युवराज पांडेय, अंशु, श्रेया चौधरी और सांस्कृतिक कप्तान अर्पिता, स्मिता सहित सभी हाउस के कैप्टन और हाउस मास्टर उपस्थित रहे। कार्यक्रम के तुरंत बाद प्रबंधक जेपी सिंह और प्रधानाचार्य गोपाल त्रिपाठी ने कई कार्यक्रमों का उद्घाटन किया, जिसमें वॉलीबॉल, खो–खो, क्रिकेट सहित कई कार्यक्रम आयोजित हुए और विजयी टीम और बच्चों को पुरस्कृत किया गया। हॉकी में बच्चों की प्रतिस्पर्धा देखने लायक लग रही थी।

वहीं आज बस्ती स्टेडियम में हुई वॉलीबॉल प्रतियोगिता में भी दिल्ली स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के बच्चों ने प्रतिस्पर्धा में द्वितीय स्थान लाकर विद्यालय का नाम रोशन किया। सभी ने खूब सराहना की और बच्चों को खेल में ज्यादा से ज्यादा प्रतिभाग करने के लिए उत्साहित किया।

कार्यक्रम का संचालन सीसीए हेड दिव्या त्रिपाठी और स्वाति सिंह ने किया। आज के कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक, शिक्षिकाएं और बच्चे उपस्थित रहे, जिनमें वेद प्रकाश सिंह, भूपेंद्र त्रिपाठी, हर्षिता पांडे, वंदना पांडे, अनुप पांडे, लक्ष्मीकांत पांडे, इंद्र कुमार मिश्रा, प्रशांत त्रिपाठी, अमर बादवानी, दिनेश कुमार यादव, अवनीश पाठक, पंकज गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, लवकुश शर्मा, अष्टभुजा मिश्रा, बबलू कसौधन, फराज खान, शारीक रजा, उपेंद्र पांडे, प्रभात त्रिपाठी, अमित पांडे, आदित्य पांडे, अंगद चौरसिया, शिवेंद्र त्रिपाठी, श्रवण गुप्ता, अनिल कुमार सिंह, लकी शुक्ला, रेनू पांडे, सीमा सिंह, शालिनी तिवारी, माया त्रिपाठी, ऐश्वर्या सिंह, गरिमा पांडे, क्षमा उपाध्याय, आयशा शेख, पूर्णिमा मिश्रा, पूनम तिवारी, स्नेहा जायसवाल, फिरदौस सिद्दीकी, अंजलि शुक्ला, सुचिता सिंह, ऋचा मिश्रा, कंचन श्रीवास्तव, रंजना ओझा, शुभांगी गुप्ता, मीनू शुक्ला, पूजा विश्वकर्मा, शिखा चतुर्वेदी, अनुष्का, काजल कश्यप, सबा रहमान, अरीबा इजहार, अर्पिता पाठक, हिमांशी, आशुतोष पाल, आशुतोष सिंह, मोहम्मद अनस खान, बबलू रिजवी, अखिलेश्वर सिंह सहित कई अन्य लोग शामिल थे।

समाज को बांटने का काम कर रहे संघ के लोग –अवधेश प्रसाद

संवाददाता–अयोध्या। समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के हालिया बयानों पर करारा पलटवार किया है। सांसद ने बीजेपी, भाषा, मंदिर–मस्जिद विवाद, आरक्षण और जनसंख्या जैसे तमाम मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखी। मोहन भागवत के बीजेपी अध्यक्ष चुनने संबंधी बयान पर सपा सांसद ने कहा कि यह बीजेपी का अंदरूनी मामला है। समाजवादी पार्टी किसी भी दल के निजी मसलों में हस्तक्षेप नहीं करती। हमारी अलग विचारधारा है और हम उसी पर टिके हैं। भाषा पर दिए गए बयान पर अवधेश प्रसाद ने कहा कि हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है, लेकिन भारत की असली ताकत उसकी विविधता है। हर राज्य की अपनी भाषा और संस्कृति है। यही हमारी एकता का आधार है। काशी और मथुरा विवाद को लेकर उन्होंने कहा कि कोई भी तीर्थ स्थल किसी एक जाति या धर्म का नहीं होता। सबकी अपनी आस्था होती है। धर्मग्रंथों के अनुसार पूजा–पाठ की परंपराओं में बदलाव की कोई जरूरत नहीं है।

घुसपैठ पर सांसद ने कहा कि अगर वाकई घुसपैठ हो रही है तो उसे रोकना सरकार की जिम्मेदारी है। केंद्र और राज्य की सरकारों को ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए कि घुसपैठ पर रोक लगे। जनसंख्या के मुद्दे पर बोलते हुए कहा कि यह कोई बड़ी समस्या नहीं है। प्रकृति खुद इसे नियंत्रित करती है। असली समाधान रोजगार और लघु उद्योग बढ़ाने में है। हम अर्थशास्त्र के विद्यार्थी रहे हैं। यह पढ़ा है। आरक्षण के सवाल पर सांसद ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि सरकारी संस्थाओं को निजी हाथों में बेचा जा रहा है। इससे आरक्षण अप्रत्यक्ष रूप से खत्म हो रहा है। यह कमजोर वर्गों के साथ अन्याय है। डेमोग्राफी और समाज को बांटने पर सांसद ने कहा कि असल में समाज को बांटने का काम संघ के लोग कर रहे हैं। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने इन कोशिशों पर रोक लगा दी है।

दुष्कर्म के प्रयास के आरोपी को पांच वर्ष का कारावास

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में दलित महिला के साथ दुष्कर्म करने के प्रयास के आरोपी को एडीजे व विशेष न्यायाधीश एससीएसटी एक्ट भूपेन्द्र राय की कोर्ट ने सुनवाई के पश्चात दोष सिद्ध करार देते हुए पांच वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने आरोपी मनीष पाल पर सजा के साथ विभिन्न धाराओं में कुल 51 हजार रुपए का अर्थदण्ड का भी फैसला दिया। अर्थदण्ड का भुगतान न करने पर आरोपी को पांच माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। कोर्ट ने अर्थदण्ड की सम्पूर्ण धनराशि में से आधी धनराशि पीड़िता को देने का आदेश दिया। आरोपी पर पीड़िता का मुंह दबाकर दुष्कर्म करने के प्रयास का आरोप लगाया था।

विशेष लोक अभियोजक एससीएसटी एक्ट आशीष प्रसाद पाण्डेय ने बताया कि मामला कोतवाली खलीलाबाद थाना क्षेत्र के एक गांव का है। आरोपी मनीष पाल पुत्र आनन्द देव पाल ग्राम मैनसिर थाना महुली का रहने वाला है। प्रकरण में पीड़िता ने अभियोग पंजीकृत कराया था। उसका आरोप था कि दिनांक 14 फरवरी 2015 को रात में अपने तीन वर्षीय पुत्र के साथ कमरे में सोई थी। भोर में लगभग तीन बजे एक व्यक्ति अचानक कमरे में आया और मुंह पर हाथ रख कर अपशब्द कहते हुए कहा कि आवाज मत निकालना। आरोपी दुष्कर्म का प्रयास करने लगा। चिल्लाने पर मेरे दो देवर, सास व ससुर जाग गए। भाग रहे आरोपी को पकड़ने का प्रयास किया। आरोपी हाथ छुड़ा कर भाग गया। बिजली की रोशनी में सभी ने आरोपी को पहचान लिया। आरोपी का नाम मनीष पाल है। पुलिस ने दुष्कर्म के प्रयास व एससीएसटी एक्ट का अभियोग पंजीकृत करके विवेचना के उपरांत आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। विशेष लोक अभियोजक एससीएसटी एक्ट आशीष प्रसाद पाण्डेय ने बताया कि अभियोजन की तरफ से कुल 8 साक्षी न्यायालय में पेश किए गए । सभी ने अभियोजन कथानक का समर्थन किया। एडीजे व विशेष न्यायाधीश एससीएसटी एक्ट भूपेन्द्र राय की कोर्ट ने सुनवाई के पश्चात आरोपी को दुष्कर्म के प्रयास के आरोप में दोषसिद्ध करार दिया। कोर्ट ने आरोपी को एससीएसटी एक्ट के आरोप में दोषमुक्त करने का फैसला दिया ।

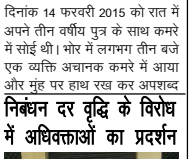

स्मार्ट मीटर लगाने पर ग्रामीणों का विरोध

संवाददाता–संतकबीरनगर। नगर पंचायत बखिरा के अमरडोभा में स्मार्ट मीटर लगाने को लेकर विवाद हुआ। बिजली विभाग की टीम को लगातार दूसरे दिन भी विरोध का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों ने स्मार्ट मीटर से अधिक बिल आने की चिंता जताई। विद्युत विभाग और स्मार्ट मीटर लगाने वाली कंपनी के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। उनके साथ विजिलेंस टीम के प्रभारी विक्रांत सिंह, एसडीओ हरीस मिश्रा और जेई राजेश गुप्ता भी थे। स्मार्ट मीटर लगाने की जानकारी मिलते ही सैकड़ों लोग जमा हो गए। थानाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह पुलिस बल के साथ पहुंचे। चेयरमैन मोहम्मद आमिर अंसारी और सभासद जफर इकबाल की समझाइश के बाद माहौल शांत हुआ।

एसपी ने परेड की सलामी ली

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। एसपी केशव कुमार ने रिजर्व पुलिस लाइन पहुंचकर परेड की सलामी ली। इसके बाद एसपी ने पुलिस कर्मियों से दौड़ लगवाया। टोलीवार परेड ड्रिल का निरीक्षण करते हुए आरक्षियों को परेड ड्रिल के संबंध में जानकारी दी। बाद में यूपी 112 पीआरवी वाहनों का निरीक्षण कर हेड लाइट, हूटर, इंडिकेटर फर्स्ट एड किट आदि को चेक किया। क्वार्टर गॉर्ड तथा शस्त्रागार का निरीक्षण कर सभी प्रबंध बेहतर रखने को कहा। पुलिस लाइन आदेश कक्ष में विभिन्न रजिस्टरों एवं अभिलेखों का अवलोकन किया।

इंस्ट्राग्राम पर भाई बनकर महिला से वसूले लाखों रुपये

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में एक महिला से साइबर अपराधी ने इंस्ट्राग्राम पर संपर्क बढ़ा कर भाई बनने के बाद नायाब तरीके से महिला के विश्वास को धोखा दिया। उससे लाखों रुपये ठग लिए। महिला को बहन मानकर इग्लैंड से गिफ्ट में हीरे के गहने और मंहगे मोबाइल कूरियर से भेजने का जिक्र किया। फिर कस्टम अफसर बता कर मुंबई एयरपोर्ट पर भेजे गए पार्सल के पकड़े जाने और पूरे परिवार को जेल भेजने की धमकी देकर रुपये वसूलता रहा। साइबर थाने पहुंची महिला की जुबा से फ्राड की कहानी सुनकर पुलिस कर्मी भी दंग रह गए। साइबर थाने की पुलिस ने प्रकरण की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। धनघटा थाना क्षेत्र की रहने वाली 30 वर्षीय पीड़ित महिला हाईस्कूल तक पढ़ी है। दो साल से महिला इंस्ट्राग्राम चलाती है। बकौल महिला इंस्ट्राग्राम पर उसका संपर्क एक युवक से हुआ। युवक खुद को इग्लैंड का रहने वाला और अपना नाम आर्यान बताया। इंस्ट्राग्राम पर भाई बना युवक इग्लैंड में खुद का सुपरमाल होना बताया। फिर वीडियो काल करके 20 जुलाई को उसे अपनी बहन बताते हुए उसके लिए गिफ्ट में अच्छी मोबाइल आदि भेजने की बात बताया। 21 जुलाई को उसे एक काल आया और काल करने वाले ने खुद को कस्टम का अफसर बताया। इंग्लैंड से उसके पति के नाम से आए पार्सल के मुंबई एयरपोर्ट पर पकड़े जाने की सूचना दी। पकड़े गए पार्सल में हीरे की दो अंगूठी, हीरे का हार, सोने का हार, मोबाइल आदि करीब 70 लाख कीमत का होना बताया। फोन करने वाले ने धमकी दिया कि यदि उसकी बात नहीं मानी तो उसके परिवार वालों पर केस दर्ज करवा कर जेल भेजवा देगा। उसके पति शारीरिक और मानसिक रूप से करीब तीन वर्षों से बीमार चल रहे हैं। जिसकी वजह से घबड़ा गई और फिर अपने ससुर को बताई। फोन करने वाले ने कस्टम अफसर बता कर ससुर को भी हड़काया और जेल भेजने की धमकी दिया। जैसे–जैसे उससे रूपये मांगता गया, वह वैसे–वैसे थोड़ा–थोड़ा करके ग्राहक सेवा केंद्र आदि माध्यम से रकम भेजती गई।

घर से निकले युवक का 32 घंटे बाद देवापार नहर में मिला शव

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के महुली थाना क्षेत्र के ग्राम मैनसिर घर से बुधवार की रात करीब दस बजे बाइक से निकले युवक का शव शुक्रवार सुबह देवापार माइनर हेड में उतरता हुआ मिला। उसके शरीर पर केवल बनियान और अंडरवियर ही था। गुरुवार को पुलिस मृतक की बाइक और प्लास्टिक थैली में रखे कपड़े को बरामद कर चुकी है। स्थानीय थाने में उसके गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। महुली थाना क्षेत्र के ग्राम मैनसिर निवासी रविन्द्र पुत्र रमेश सैनी ने पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया है उनका बेटा सूरज सैनी (29) बुधवार की रात करीब दस बजे घर से बाइक लेकर कहीं चला गया।

घण्टों तक वापस नहीं लौटने पर तलाश शुरू की गई। गुरुवार सुबह बगल गांव के तामा नहर पुलिया पर लापता सूरज सैनी की बाइक लावारिश हालत में मिली। बाइक की सीट पर सूरज के कपड़े प्लास्टिक के थैले में मिले थे। इसकी सूचना तामा पुलिस चौकी को दी थी। इस पर गोताखोरों को बुलाकर नहर में पांच घंटे तलाश कराई गई थी। लेकिन उसका पता नहीं चल पाया था। इस मामले में थाने पर पिता ने गुमशुदगी दर्ज कराई थी। रात भर में शव बहकर देवा पार माइनर हेड में जाकर फंस गया। शुक्रवार सुबह लोगों की नजर जब देवा पार माइनर हेड में उतराते शव पर पड़ी तो शोर मचाया। डायल 112 को सूचना दी गई। स्थानीय पुलिस पहुंची। स्थानीय लोगो के सहयोग से नहर से शव को बाहर निकलवाया। पुलिस ने पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए शव को मर्चरी हाउस में रखवा दिया है। पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। युवक की मौत से गांव में मातम पसरा हुआ है। थानाध्यक्ष महुली रजनीश राय ने बताया कि बुधवार की रात को युवक सूरज घर से निकला था। शुक्रवार को लोगो की सूचना पर शव को नहर से बाहर निकलवाया गया। उसकी गुमशुदगी दर्ज है। शरीर में चोट के निशान नहीं मिला। डेड बॉडी बनियान और अंडरवियर पहना हुआ मिला है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद मौत होने की पुष्टि हो सकेगी।

निबंधन दर वृद्धि के विरोध में अधिवक्ताओं का प्रदर्शन

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। अधिवक्ताओं ने निबंधन दरों में की गई वृद्धि के विरोध में शुक्रवार को निबंध कार्यालय का मुख्य गेट बंद कर दिया। तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष गणेश मणि त्रिपाठी और महामंत्री अब्दुल हक के नेतृत्व में यह विरोध प्रदर्शन किया गया। इससे पहले जिला बार एसोसिएशन की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में अध्यक्ष सत्यदेव सिंह एडवोकेट और महासचिव सुशील कुमार मणि त्रिपाठी मौजूद रहे। अधिवक्ताओं ने जिलाधिकारी द्वारा निबंधन दरों में की गई वृद्धि को मनमाना बताया। उनका कहना है कि बार एसोसिएशन की आपत्तियों को नजरअंदाज किया गया है। अधिवक्ताओं के अनुसार यह वृद्धि दस्तावेज लेखन और स्टाम्प विक्रेताओं को प्रभावित करेगी। साथ ही आम नागरिकों पर भी इसका बोझ पड़ेगा। गरीब और मध्यम वर्ग को जमीन–जायदाद की रजिस्ट्री में अतिरिक्त खर्च करना पड़ेगा।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि प्रदेश के अन्य जिलों में ऐसी कोई वृद्धि नहीं की गई है। केवल सिद्धार्थनगर में ही इसे लागू किया गया है। अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी है कि जब तक निबंधन दरों में की गई वृद्धि वापस नहीं ली जाती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन और उग्र रूप ले सकता है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–307/2025
अजय प्रताप सिंह
बनाम
लल्लू उर्फ अवनेन्द प्रताप सिंह आदि

10. श्रीमती पार्वती देवी उम्र लगभग 35 वर्ष पत्नी गंगाराम साकिन रेडवल तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला–बस्ती पोस्ट अमोढ़ा खास –प्रतिवादी तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 04–09–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 04 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–84/2023
कं0 वाद सं0D 202317630000084
धारा 30 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) महोदय सिद्धार्थनगर
वुद्वेश प्रसाद जायसवाल आदि
बनाम
सरकार

1. मंगली पत्नी विन्ध्याचल 2. सिद्दिक पुत्र तहदिल 3. आदेश पुत्र केशरी नरायन 4. रामअवध पुत्र सीताराम 5. दुर्गेश पुत्र केशरी नरायन 6. रामलखन पुत्र सीताराम 7. अकाली पत्नी केशरी नरायन 8. फूलचन्द्र पत्नी द्वारिका 9. प्रेमलता पत्नी बाबूराम 10. श्रीमती चन्द्रमूरत देवी पत्नी रामकुमार 11. सुभावती देवी उर्फ भौकी पत्नी छबिले साकिनान मौजा बर्डपुर नं0–14 तप्पा घोष परगना नौगढ़ तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 17–09–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 17 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते है पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–1542/2024
कं0 वाद सं0D 202417630001542
धारा 30 (2) उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) महोदय सिद्धार्थनगर
सतीश कुमार श्रीवास्तव आदि
बनाम
सरकार

1. हरिकृष्ण लाल पुत्र अम्बर लाल 2. मनोज कुमार 3. अजय कुमार 4. प्रमोद कुमार 5. संजय कुमार पुत्रगण राघो प्रसाद 6. संजय कुमार पुत्र शारदा प्रसाद 7. जितेन्द्र कुमार पुत्र गिरिराज लाल श्रीवास्वत 8. विनोद कुमार पुत्र शारदा प्रसाद निवासीगण मौजा गोल्हौरा तप्पा पचहर परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 03–09–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 03 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते है पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान पंचम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0–157/2017
जगदीश सिंह आदि
बनाम
फरजंगी सिंह

1. फरजंगी सिंह पुत्र भोगन सिंह 2. अदालत सिंह पुत्र गौरी सिंह मृतक 2/1 श्रवण कुमार सिंह 2/2 संतोष कुमार सिंह 2/3 अरूण कुमार सिंह 2/4 अभिमन्यु सिंह 2/5 अनिरूद्ध सिंह 2/6 लल्लू सिंह पुत्रगण अदालत सिंह 2/7 स्वर्णलता सिंह 2/8 पूनम सिंह पुत्रीगण अदालत सिंह 2/9 श्रीमती महोदरी सिंह विधवा स्व0 अदालत सिंह 3. बुद्धू सिंह मृतक 3/1 रामअधीन सिंह 3/2 रामउजागिर सिंह 3/3 राम अशीष सिंह पुत्रगण स्व0 बुद्धू सिंह 3/4 सरोज सिंह 3/5 ममता सिंह 3/6 सरिता सिंह 3/7 रंजना सिंह पुत्रीगण स्व0 बुद्धू सिंह 3/8 श्रीमती विद्या सिंह विधवा स्व0 बुद्धू सिंह निवासीगण मौजा सरफरा तप्पा व तहसील मेंहदावल परगना मगहर पूरव जिला–संतकबीरनगर

तारीख पेशी 29–09–2025

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 29 माह 09 सन 2025 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान द्वितीय अति0 सिविलि जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मुतफरिका 02/2013
श्याम बिहारी आदि
बनाम
गोवर्धन

1. गोवर्धन पुत्र द्वारिका साकिन पठान टोला पोस्ट पुरानी बस्ती थाना पुरानी बस्ती जिला–बस्ती

तारीख पेशी 27–09–2025

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 09 के 27 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 25 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान ग्राम न्यायालय रूधौली जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–304/2023
रामलौट आदि
बनाम
मोतीलाल आदि

2. विशाल उम्र लगभग 36 वर्ष 3. जयकिशन उम्र लगभग 25 वर्ष पुत्रगण मोतीलाल निवासीगण मौजा टिकरी तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला–बस्ती

तारीख पेशी 18–09–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 18 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com